

पारदर्शिता लोकतंत्र का जीवन है। जनता की ओर से प्रश्न उठना भी लोकतंत्र में एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। साथ ही सदेहों और सवालों के जवाब अगर समय पर सामने आ जाएं, तो इससे देश में लोकतांत्रिक जड़ें मजबूत ही होंगी। अगर कई बार राजनीतिक उठा-पटक के बीच धुंध जब ज्यादा गहरी हो जाति है, तब विश्वास का संकट खड़ा होने की आशंका उपजती है। इस लाहौर से खंडे तो लोकसभा में विश्वास के नेता राहुल गांधी की ओर से पिछले कुछ समय से मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, वे अब बहस का मुद्दा बन चुके हैं और आम लोगों के सामने एक तरह के ऊहापिह के स्फिंट बनती जा रही है। ऐसे में जरूरी यह है कि चुनाव आयोग अपने स्तर पर सामने आकर इससे उपजे सभी तरह के सदेहों को दूर करे, ताकि मतदाता की प्रक्रिया को लेकर विश्वसनीयता का संकट खत्म हो। गौरतलब है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने भारत भर में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर सवाल उठाया

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

मलतार तरीके से 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। मगर इस क्रम में झूझि खुद बूथ-स्तरीय अधिकारी के संबंधी वा जो वोट भी चटा गया था। इसलिए उसकी जो वोट के बाद फिर खुले पंग, वो बेहद चिंतानुकथ है। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में भी ऐसा ही मामला देखा गया। जाहिर है, मलतारा सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाने का यह आरोप बेहद गंभीर है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। मगर इस मामले पर निर्वाचन आयोग की ओर से फिर से एक संक्षिप्त जवाब आया कि इस तरह मतदाताओं का नाम हटाने की लेकर लगाए गए आरोप गलत और आधारहीन हैं। कुछ समय पहले भी जब राहुल गांधी ने कर्नाटक में ही फर्जा मतदाताओं की सूची में जोड़ने का आरोप लगाया था, वन भी मुख्य चुनाव आयोग ने उसे खारिज कर दिया था। सवाल है कि मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से जोड़ने या फिर हटाने के इस समूचे मामले को अब जिस तरह देखा जा रहा है, क्या आयोग के संक्षिप्त जवाब से इससे संबंधित आशंकाओं का निराकरण हो सकता है! दरअसल, ज़रूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच करा कर इससे संबंधित तथ्य जनता को उपलब्ध कराए, ताकि आम लोगों का विश्वास लोकतंत्र को मजबूती देने की प्रक्रिया में बना रहे। विडंबना यह है कि सिव्धान में जिस मतदान के जरिए लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की टोस व्यवस्था की गई है, उसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार होने वाली मतदाता सूची में गड़बड़ी के इतने गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं और उस पर कोई स्पष्टता कायम होने के बजाय सबाल महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दुष्प्रभ में उलटताना दिख रहा है।

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार कर लिया है इससे पाकिस्तान यह सोच रहा होगा कि अब किसी आतंकी वारदात के बाद भारत उसे घर में घुस कर मार नहीं पायेगा। यदि ऐसा है तो पाकिस्तान की यह सोच गलत है कि क्योंकि पाकिस्तान बंद चुका है कि हमले को बदला घर में घुस कर लिया जायेगा और यहाँ बाबा 'न्यू नॉर्मल' है। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर से पहले भारत को पता था कि पाकिस्तान की बचाने के लिए उसके दोस्त चीन और रूसी आयोग लेंकिन फिर भी भारत ने घर में घुस कर मारा। इसी तरह बालाकोट एअर स्ट्राइक से पहले भारत को पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए चीन पीछे से उसका साथ देगा फिर भी भारत ने घर में घुस कर मारा। इसी प्रकार, भारत को सर्जिकल स्ट्राइक से पहले पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए आतंकवादी संगठन और उसके अकथा त्वा चीन सामने आयेगे लेकिन भारत ने फिर भी घर में घुस कर मारा। इसलिए पाकिस्तान चाहे सऊदी अरब से रक्षा संबंध बना ले या फिर दुनिया की किसी भी दूसरी शक्ति से रक्षा करार कर ले, भारत की नीति स्पष्ट है कि यदि उसके खिलाफ कोई हमला हुआ तो हम राष्ट्रहित को संवोधित रखते हुए घर में घुस कर बदला लेते चाहे सामने एक दुश्मन हो या दुश्मन के एक दर्जन साथी भी साथ हो।

यहाँ यह भी समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार तो कर लिया है लेकिन सऊदी अरब की सीमा तालक भारतीय सीमा के सामने कितनी भयावी है। हम आपको बता दें कि भारत की सीमा वर्तमान में लगभग 1.45 मिलियन सक्रिय और 2.1 मिलियन आरक्षित सैनिकों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। इसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और विशेष बल शामिल हैं। इसके विपरीत, सऊदी अरब की सीमा 2.5-2.6 लाख सक्रिय सैनिकों और कुछ हजार आरक्षित बलों पर आधारित है। स्पष्ट है कि केवल संख्या के हिसाब से भी भारतीय सीमा कई गुना बड़ी और विविधोक्त है। इसके अलावा, भारतीय थलसेना के पास

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतुतु
गाली का सबसे बड़ा मंच राजनीति है। नेता ज
मंच पर खड़े होते हैं तो शेर-ओ-शायरी रं
जनता नहीं जागती। लेकिन जैसे ही गाली क
बौखरा होती है, भीड़ में बिजली दौड़ जाती है
गाली सुनकर जनता ऐसा पुरजोर ताली बजाती
है मानो कोई पाँच सौ का नोट हवा में लहराया
गया हो।

(तयंग) गाली भारतीय जीवन की सार्वभौमिक भाषा है। यह वही भाषा है जो संसद से लेकर सच्ची मंडी तक समान अधिकारों से बोली जाती है। मजा यह कि इसमें किसी अनुवादक की जरूरत नहीं पड़ती। चाहे अंग्रेजी हो या पंजाबी, तमिल हो या मराठी—गाली का अर्थ सब समझते हैं। यह इतनी लोकतांत्रिक है कि बच्चे खेलते-खेलते सीख जाते हैं, और बुजुर्ग मरणाशय होते हुए भी अंतिम सांस तक गाली निकाल सकते हैं। गाली न जाति देखती है, न धर्म, न भाषा—यह समतल

या सच्चा सिद्धांत है। हमारे संविधान निर्माताओं ने हमें समझाया कि हमें अपने-आपसे दूँदा हो तो संविधान को पढनी पकित होती है। भारत का प्रधान गणराज्य है। गाली वह पुल है जो अमीर गरीब, पढ़े-लिखे और अनपढ़, शहर और गाँवों को जोड़ता है—सबको जोड़ता है। गाली का समाजशास्त्र देखिए—जहाँ तक सम हो जाता है, वहीं से गाली शुरू होती है। बस को कौन ठोस दलील न मिले, तो आदमी गाली को ठोस दलील न पाये, तो गाली का ब्रह्माख है। गाली उन अनपढ़ के हाथ को बँटूक है जिन्हें पता नहीं कि कितना पढ़ी है और उस पढ़े-लिखी को ढाल जिस अनपढ़ दिहा है बुराई में। दिलचस्प यह कि गाली केवल क्रांति से नहीं निकलती। प्रेम भी निकल सकती है। दूसरा दोस्रो मिलते मिलते है—अरे गाली! कौन दूसरा हँसते-हँसते गले लग जाता है। सोनिया, गाली इतनी लची है कि झगड़े में भी लड़ने का संकल है। अंदर मुँह भी प्यही उसका दिखता है। समाज इतनी गाली कहकर नीचा धिक्का जाता है, लेकिन

ललित गग

**अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस-
21 सितम्बर, 2025**

आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही मय, हिंसा, तनाव और असुरक्षा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दौड़ ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ युद्धों और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संकटों को जन्म दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक चेतावनी और आह्वान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, करुणा और अहिंसा को अपने जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, जिसे प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है, आज के समय की सबसे बड़ी मानवीय आवश्यकताओं की याद दिलाता है। जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, जलवायु संकट और असमानताओं के दौर से गुजर रही हो, तब शांति का महत्व केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन जाता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानव सभ्यता को केवल विनाश ही दिया है। दो विश्वयुद्धों ने करोड़ों लोगों की जान गई, अरबों परिवार जड़गु गए और सभ्यता के सपनों पर गहरी चोट लगी। आज भी यूक्रेन से लेकर सीरिया, अफगानिस्तान और अफ्रीका तक की धरती पर संघर्ष और आतंकवाद की आग धधक रही है। निर्दोष नागरिक, महिलाएँ और बच्चे सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं। शरणार्थियों की भीड़, विस्थापितों के आँसू और टूटे हुए घर-परिवार इस बात का सबूत हैं कि युद्ध और आतंकवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि और बड़ी समस्या पैदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र-संघ की स्थापना ही इस उद्देश्य से हुई थी कि विश्व में शांति और सहयोग का इमो हो। इसी क्रम में 1981 में महासभा ने 21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि युद्धावस्था, संवाद और अहिंसा ही मानव सभ्यता की रक्षा कर सकते हैं। इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति की घंटी बजाई जाती है, जो यह प्रतीक है कि जब तक धरती पर शांति नहीं होगी, तब तक जीवन सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भय, हिंसा, तनाव और असुखा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दृष्टि ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ जुद्ध और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संघर्षों को जन्म दे रहे हैं। इस प्रष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक अपेक्षाकृत अक्सर नहीं, बल्कि एक चेतावनी और आह्वान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से उप उत्कर्ष शांति, संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, कला और अहिंसा को अपने जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं। विश्व शांति की दिशा में भारत का योगदान हमेशा से उल्लेखनीय रहा है और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बार-बार वसुधैव कुटुम्बकम् और पृथ्वी, एक परिवार, एक धर्मिय का संदेश देकर मानवता को एक साझा परिवार के रूप में देखने की हटि दी है। संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर मोदी ने संवाद, कुटीनीति, अहिंसा और सहअस्तित्व को संघर्ष और युद्ध से बेहतर विकल्प बताया है। भारत के नेतृत्व में जी-20 विश्व सम्मेलन के दौरान शांति और सतत विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई। अतंतकाल के विरुद्ध वैश्विक सहयोग, योग को विश्व स्तर पर शांति और मानसिक सतृत्वन का साधन बनाना, जलवायु परिवर्तन

और पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन दुनियाभर विश्व अहिंसा दिवस मनावे जैसे प्रयास भी विश्व शांति को दीर्घकालिक आधार प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह मानना है कि शांति केवल सशस्त्र संघर्षों से अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सहयोग की उपस्थिति है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व को न केवल आर्थिक और राजनीतिक सहयोग दे रहा है, बल्कि नैतिकता, अहिंसा, योग और सांस्कृतिक रूप से भी शांति की राह दिखा रहा है।

महात्मा गांधी ने कहा था-शांति का कोई रास्ता नहीं। शांति ही रास्ता है। गांधी का वह विचार आज और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। नेल्सन मंडेला भी अजोध्या-शांति आंदोलन के निर्माण हथियारों को नहीं, बल्कि आत्मीय विश्वास और प्रेम-मेल-जोर से होता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस बार-बार वह चेवानीय दे रहे हैं कि दुनिया को हथियारों की नहीं, बल्कि कूटनीति और संवाद का आवश्यकता है। शांति केवल एक आदर्श नहीं है, वह सभी के जीवन और विकास का अधिकार है। महात्मा गांधी ने जिस अहिंसा और सत्याग्रह का मार्ग दिखाया, वह आज भी वैश्विक शांति की सबसे बड़ी आशा है। स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व धर्म महासम्मेलन पर वह संदेश दिया था कि सम्पूर्ण धर्म मानवता को जोड़ने के लिए हैं, बाँटने के लिए नहीं। आज संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में भारत की भूमिका सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण है, भारतीय सैनिक और अधिकारी अनेक देशों में जाकर शांति स्थापना के मिशन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। भारत ने न केवल सिद्धांत से बल्कि व्यवहार में भी वह दिखाया है कि शांति का मूल आदर्श है। इन विचारों और योगदानों की गुंज आज के समय में हमें सचेत करती है। अगर मानवता को बचाना है तो युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को छोड़कर केवल शांति को अपना लोहा। जब विस्था, समाज और राष्ट्र स्तर पर शांति की चेतना जागेगी तभी सभ्यता का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम सब अस्तित्व, करुणा और संवाद की राह पर चलें और शांति पूरी दुनिया को भय और हिंसा से मुक्त करके एक शांति और समरसता से भरा वैश्विक परिवार बनाएं। संघर्ष की अग्रिम पंक्तियों पर तैनात शांति सैनिकों से लेकर समुदाय के सदस्यों और दुनिया भर के कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों तक, हम

किस्सी की शांतिपूर्ण विषय संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारे विज्ञान, नगर, भेदभाव और असमानता के खिलाफ अविनाश उठाती होंगी; सह-अस्तित्व का अध्यास करना होगा; और अपनी दुनिया की विविधता को अपनाना होगा। शांति-स्पष्टता की कार्रवाई करने के कई तरीके हैं। समझदारी, अहिंसा और निरस्त्रीकरण की तत्काल आवश्यकता के बारे में बातचीत शुरू करें। अपने समुदाय में स्वयंसेवकों को, अपनी आवश्यकता से अलग आवाजों को सुनें, अपने कार्यस्थल पर संदेशावपण भाषा एवं व्यवहार को सुनीति दें, ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों तरह से अशांति फैलाने वाली की रिपोर्ट करें, और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले तथ्यों की पुष्टि जरूर करें। आप अपनी पसंद के बारे में भी बात सकते हैं, सामाजिक रूप से जाहकक ब्रांडों से सामान खरीदने का विकल्प चुन सकते हैं, या स्थिरता और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने वाले संगठनों को दान दे सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकारों को आगे बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से लड़ने, तथा संचयन को रोकने और उसका जवाब देने के लिए वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करता है। वह शांति निर्माण आयोग के माध्यम से, जो 2025 में अपनाती बीसवीं वर्षगांठ मना रहा है, गरीबी, असमानता, भेदभाव और अन्याय-हिंसा के सभी संभावित कारणों को दूर करने के लिए कार्य करता है। संयुक्त राष्ट्र 17 स्तव विकास लक्ष्यों के माध्यम से, संयुक्त राष्ट्र समृद्धि बढ़ाने, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को बेहतर बनाने, और सभी प्रकार के भेदभाव और अन्याय को समाप्त करने के देशों के प्रयासों का समर्थन करता है। संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिक दुनिया भर में कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं और सभी को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करते हैं। तथा हाल ही में अनापराध गण भविष्य के लिए समझौते में, संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तानियों और अवसरों - जैसे कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का समाधान करने तथा भावी पीढ़ियों को सक्रिय भागीदारी का समर्थन करने का वादा किया है। संयुक्त राष्ट्र के पटवन्ताउ अभियान ने दुनिया भर के लाखों लोगों को उन मुद्दों को चर्चने, उन पर कार्रवाई करने और उनके प्रभाव को ठीक करने में मदद की है जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। शांति स्थापना के कार्य शब्दों से अधिक जन-जीवन में जोर से गुंजे।

A painting of a man in a brown robe standing next to two white oxen in a landscape with mountains. The man is on the left, looking towards the oxen. The oxen are in the center, facing right. The background features rolling hills and mountains under a blue sky with white clouds. The style is simple and illustrative, with a brown border around the image.

कभी किसी ने एक घण्टड़ी साधु को चमड़े की थोती दान में दे दी जिससे पहन कर वह साधु अपने को अन्य साधुओं से अलग समझाने लगा। एक दिन वह उसी वस्त्र को पहन कर भिक्षादान के लिए घूम रहा था। रास्ते में उसे एक बड़ा सा जंगली भेड़ मिला। वह भेड़ पीछे को जाकर अपना सिर झटक-झटक कर नीचे करने लगा। उसने ने समझा कि निश्चय ही वह भेड़ झुक कर उसका अभिवादन करना चाहता था, क्योंकि वह एक श्रेष्ठ साधु था; जिसके पास चमड़े के वस्त्र थे। अभी थोड़े से एक-व्यापारी ने साधु को आगाह करते हुए कहा: हे ब्राह्मण! मत कर तु विषयास किसी जानवर का; बनते हैं; वे तुम्हारे पतन का कारण, जाकर भी पीछे वे मुड़ कर करते हैं आक्रमण। राहगीर के इतना कहते-कहते ही उस जंगली भेड़ ने साधु पर अपने नुकीले सींग से आक्रमण कर नीचे गिरा दिया। साधु का पेट फट गया और क्षण भर में ही उसने अपना दान तोड़ दिया।

देखिए, किन्ते हल्के बेनीफिट्स हैं। गाली से पसंदीदा उसके बिना कभी की पगल-पसलौय होती है। गाली की आंखें उसमें भी कम नहीं हैं। यह समाज की सभ्यता और भावुकता पर अभिप्रेत है। निजामत किंग गाली मारना दीजिए और सामने वाला वकील फौस मॉरिंग, डॉक्टर विन्स्टी लिले, गुजराती शुल्लु मोगी—लोकन गाली? मुजान्नी, और ऊपर से सबेरा बिजली जलने कहें वह है कि गली-कुचों के विवाद गाली या फटकार के ही निपट जगता है। पुलिस न बने, अदालतों इंडस्ट्री न हो—गाली ही हो जाता है। गाली, परीय आदमी का स्प्रूट है। जज का फैसला महीने भर बाद गाली का फैसला उसी पता। अब जरा सोचें क्या गाली देना हमेशा मुश्किल है? जरा न भाव गाली ही होशियारी होती है। नेत देकर भीता को अपने धन में करता है। अपनी निन्दा में गाली डाकटर कास, पुरस्कार या लेता है। किन्मकार बिना गम लेवाकि लिखे तो सेंसर बोर्ड पास कर देता। लोकल श्रेष्ठ थेवेटर में जहाई तम के ध्यान खींचने का सबसे आसान हथियार

समज जिन शब्दों से इतरा है, वही सबसे ज्यादा बिकटे हैं। गाली का व्यापार पहले ही पत्र-पत्रिकाओं से लेकर सूर्यमाला मीडिया तक। आजकल तो गाली टैंड करती है, और समझदार लोग वृष्णा उससे की पब्लिसिटी में बदल देते हैं। गाली कोई मात्र अपव्यव नहीं है, वह भारतीय जीवन का रस है। गाली हमें हँसाती है, आराम देती है, सत्ता को देती है, साहित्य को ताजगी देती है। गाली को जड़ते हैं। गाली के बिना हमारी भाषा ऐसे जो जागगी जैसे बिना नमक की दाल—खाली तो जा सकती है, पर स्वाद नहीं आया। और जरा सोचिए, इस दर से गाली ही सबसे धिये और सम्बन्धन अर्थव्यवस्था है, तो क्यों न गाली का महिमागमन किया जाए? इसलिए भाइयो—बहनों, अम्ली बार जो कई आपको गाली तो दे चुका मन मानिए, वह समझिए कि उसने आपको कहीं की सबसे सजीव परंपरा में शामिल कर लिया है। गाली में न सिर्फ उसकी नाराजगी है, बल्कि आपको अतिरिक्त का भी सम्मान है। आदिशक्कार, गाली ही वह चीज है जो हमें बराबरी का एहसास कराती है। जब गाली सावर्भौमिक हो गई तो गाली खाना भी लोकतंत्र का सबसे पवित्र कर्म है।

एक वन प्रवेश में एक बहुत बड़ा तालाब था। हर प्रकार के जीवों के लिए उसमें प्रथम सामग्री होने के कारण वहां नास प्रकार के जीव, पक्षी, मछलियां, कछुए और केकड़े निवास करते थे। पापा में ही बगुला रहता था, जिस पर प्रथम करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। उसकी आंखों में मछलियों पकड़ने के लिए तो मेहनत करनी पड़ती है, जो उसे खलती थी। इसलिए आलस्य के मारे वह प्यार: भूखा ही रहता। एक टोंग पर खड़ा यह सोचता रहता कि क्या उपाय किया जाए कि बिना हाथ-पैर हिलाए रोज भोजन मिले। एक दिन उसे एक उपाय सुझा तो वह उसे आजमाने बैठ गया। बगुला तालाब के किनारे खड़ा हो गया और लगा आंखों से आंसू बहाने। एक केकड़े ने उसे आंसू बहाते देखा तो वह उसके निम्नत आगे और पूछने लगा मामा, क्या बात है भोजन के लिए मछलियों का शिकार करने की बजाय खड़े आंसू बहा रहे हो? बगुले ने जो कि हिचकी ली और भराएं गले से बोला बेटे, बहुत कर लिया मछलियों का शिकार। अब मैं यह पास आया और नहीं करूँगा। मेरी आत्मा जाना उठी है। मैं नहीं ज्वाओ है बेटे, वगुले भी हम सबको जल्दी मरने वाला है। मुझे ज्ञात हुआ है कि शीघ्र ही यहां बारह वर्ष लंबा सुखा पड़ेगा। बगुले ने केकड़े को भविष्य कि यह बात उस एक त्रिनालदासी महत्ता ने बताई है, जिसकी भविष्यवाणी सभी गलत नहीं होती। केकड़े ने जाकर सबको बताया कि कैसे बगुले ने बलिनदान व भक्ति का मार्ग अपना लिया है और सुखा पड़ने वाला है। उस तालाब के सारे जीव मछलियां, कछुए, केकड़े, बाराख व सारस आदि दौड़े-दौड़े बगुले के पास आए और बोले भगत मामा, अब मुझे भी हमें कोई बचाव का रास्ता बताओ। अपनी अक्ल लड़ाओ तुम तो महाज्ञानी बन ही गए हो। बगुले ने पहाड़ी झरना बहाया कि वहां से कुछ कोस दूर एक जलाशय है जिसमें पहाड़ी झरना बहकर गिरता है। वह कभी नहीं सूखता। यह जलाशय के सब जीव वहां चले जाते तो बचाव हो सकता है। अब समस्या यह थी कि वहां कत जग्या कैसे जाए? बगुले भगत ने यह समस्या भी सुलझा दी है। तुम्हें एक-एक करके अपनी दूसरी पर बिठाकर वहां तक पहुंचाओ क्योंकि अब मेरी सारा शेष जीवन प्यार के सेवेवा करने में ही तो गुजरेगा। सभी जीवों ने यह-यह होकर बगुला भगवानी की जै के नारे लगाए। अब बगुला भगत के पीर-बाराह हो गए। वह रोज एक जगती की अनी पीर पर बिठाकर ले जाता और कुछ दूर ले जाकर एक चट्टान के पास जाकर उसे उस पर पटककर भार डालता और खा जाता। कभी मुठ हुआ तो भगतजी दो फेरे भी लगते और दो जीवों को चट्ट कर जगते तालाब में जानवरी की संध्या घेने लगी। चट्टन के पास मेरे जीवों की हड्डियों का ढेर बढ़ने लगा और भगतजी की सेहत बनने लगी। खा-खाकर वह खुश होते हुए जा गए। मुख पर लाली आ गई और पंख चर्चों के तेज से चमकने लगे। उन्हें देखकर भगतजी विश्व कष्टे देखा, दूसरों की सेवा का फल और पुण्य भगतजी के शरीर को लग रहा है। बगुला भगत मामा ही मन खुश करता। वह सोचता कि देखो दुनिया में कैसे-कैसे मुझ जीव पर पड़े हैं, जो सबका विश्वास कर लेते हैं। ऐसे मुझ की दुनिया में थोड़ी चालाकी से काम लिया जाए तो मजे ही मजे हैं। बिना हाथ-पैर हिलाए खुश दावत बुला जा सकती है। बहुत दिन यह क्रम चला, एक दिन केकड़े ने बगुले से कहा मामा, तुमने इतने सारे जानवर यहां से वहां पहुंचा दिए, लेकिन मेरी बारी अभी तक नहीं आई। भगतजी कोबेले वेदा, आज तेरा ही नंबर लगाए है, आज मेरी पीर पर बैठ जा। केकड़ा खुश होकर भगतजी की पीठ पर बैठ गया। जब वह चट्टान के निकट पहुंचा तो वहां हड्डियों का पहाड़ देखकर भगतजी का माथा ठकान। वह कहकलाया वह हड्डियों का ढेर कैसा है? वह जलाशय किन्ती दूर है मामा? बगुला भगत दाउं दाउं करके खुश हंसा और बोला मुझ, वहां की जलाशय नहीं है। मैं एक-एक की पीठ पर बिठाकर यहां लाकर खाता रहता हूँ। आज तु मरेगा। केकड़ा सारी बात समझ गया। वह सिहर उठा परन्तु उसने हिम्मत न हारी और तुरंत अपने पंजों को आगे बढ़ाकर उसने डुट बगुले की गर्दन दबा दी और तब तक दबाए रखी, जब तक उसके प्राण पखरे न उड़ गए। फिर केकड़ा बगुले भगत का कटा सिर लेकर तालाब पर लौटा और सारे जीवों को सच्चाई बता दी कि कैसे डुट बगुला भगत उन्हें धोखा देता रहा। सीख: किसी की भी बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। मुसीबत में धीरज व बुद्धिमानि से कार्य करना चाहिए।

7.92 करोड़ की लागत से मैनपुरी में बनेगा नया बिजलीघर

10 एमबीए क्षमता वाले बिजलीघर से कई क्षेत्रों को जोड़ा जाएगा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के पावर हाउस बिजलीघर पर लगातार बढ़ते ओवरलोड को देखते हुए सरकार ने जनपद को एक और नए बिजलीघर की स्वीकृति प्रदान कर दी है। वर्ष 2017 से चल रही बिजलीघर निर्माण की दौड़ को हरी झंडी मिल गई है। भोजपुरा में नलकूप कॉलोनी के पीछे जगह को स्वीकृति दी गई है। इसके लिए शासन ने 7.92 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। 10 एमवीए क्षमता वाले इस बिजलीघर से नगर के कई क्षेत्रों को जोड़ा जाएगा। उपभोक्ताओं को ओवरलोडिंग की समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। शहर के बड़े क्षेत्र को पावर हाउस और सिविल लाइन बिजलीघर से ही आपूर्ति प्रदान की जाती है। हालांकि, दोनों बिजलीघर की क्षमतावृद्धि तो की गई है, लेकिन ओवरलोडिंग की समस्या समाप्त नहीं हो पा रही है। बिजली विभाग के स्थानीय अधिकारियों द्वारा वर्ष 2017 में इसके लिए भोजपुरा के पास नलकूप कालोनी में जगह की तलाश की थी। तत्कालीन अधिशासी अभियंता मोहिंद्र अग्रवाल ने नगर पालिका प्रशासन के साथ स्थलीय सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट भेज दी थी।



इन प्रस्ताव पर भी लगी सरकार की मुहर

- आँग, मोटा और कुरावली बिजलीघर की क्षमतावृद्धि होगी।
- ज्योती रोड बिजलीघर के लिए नई 33कवी लाइन का निर्माण भी होगा।
- 100 एवं 250 कवीए क्षमता के 31 नए ट्रांसफार्मर रख जाएंगे।

क्या बोले अधिशासी अभियंता प्रथम

यह जनपद के लिए बड़ी उपलब्धि है। शासन स्तर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। भोजपुरा में बिजलीघर का निर्माण कराया जाएगा। इससे ओवरलोडिंग की समस्या दूर हो जाएगी। - अनिल कुमार वर्मा, अधिशासी अभियंता, वितरण खंड-प्रथम।

बिजनेस प्लान 2025-26 में किया गया शामिल

रिपोर्ट भेजने के बाद से ही तब से निरंतर प्रकरण लंबित चल रहा था। अब शासन ने बिजलीघर के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। बिजनेस प्लान 2025-26 में इसे शामिल किया गया है। निर्माण के लिए 7.92 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। 10एमवीए क्षमता वाले इस बिजलीघर पर पांच-पांच एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर स्थापित कराए जाएंगे। इस नए बिजलीघर से लोगों को ओवरलोडिंग की समस्या से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाएगी।

मैनपुरी

कमरे में फांसी पर लटका मिला विवाहिता का शव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कुर्रा थाना क्षेत्र के गांव नगला दया में महिला का शव दीवार में लगे लकड़ी के टुकड़े में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव मोर्चरी भिजवाया, भाई ने ससुरालीजन पर पीटकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिकायत के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव जगतपुर अंगौथा नगरिया निवासी ध्रुव कुमार ने बहन प्रीती (35) की शादी करीब 10 साल पहले थाना कुर्रा क्षेत्र के नगला दया निवासी जयवीर सिंह के साथ की थी। जयवीर इटावा में भैंस की खरीद फरोखत का कारोबार करते हैं। शनिवार सुबह प्रीती का शव घर के कमरे में दीवार में लगे लकड़ी के टुकड़े, पर दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच के लिए नमूने एकत्र किए। मृतका के भाई ध्रुव ने बताया कि बहन के पैर जमीन को छू रहे थे, लकड़ी के टुकड़े में फंदा लगाना संभव नहीं है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

ससुरालीजन ने बहन की पीट कर हत्या की है। इसके बाद शव फंदे पर लटकाया है। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो जाएगी। इसके बाद पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

कुरावली में आज होगा श्री रामलीला का भव्य शुभारंभ

25 को आकृषण और भव्य रूप से निकाली जाएगी श्रीराम बरात

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कुरावली/मैनपुरी। कस्बा में रविवार को मय्याद पुरषोत्तम प्रभु श्री रामलीला का शुभारंभ हो जाएगा, रावण दहन के अगले दिन तक चलने वाले श्री रामलीला का शुभारंभ गणेश पूजन के बाद रावण की शोभायात्रा कार्यक्रम के साथ किया जाएगा, जिसके बाद रात्रि में आठ बजे से गल्ला मंडी में नाटक लीला का आयोजन भी होगा।

कुरावली की श्री रामलीला कमेटी रजिस्टर्ड के मेला कमेटी अध्यक्ष मनोज कुमार उर्फ पिन्टू गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कुरावली में अगले 16 दिनों तक चलने वाली मय्याद पुरषोत्तम श्री राम की लीला का शुभारंभ रविवार को तीन बजे सुजरई रियासत महाराज जी बाबा मंदिर ध्रुव ने बताया कि बहन के पैर जमीन को छू रहे थे, लकड़ी के टुकड़े में फंदा लगाना संभव नहीं है।

बजे से कुरावली के गल्ला मंडी में रात्रि नाटक का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को कुरावली के रामलीला मंच पर रात्रि आठ बजे से नारदमोह के साथ रात्रि लीला का मंचन होगा, मंगलवार को शिव बरात का भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा। जिसके बाद रात्रि में गल्ला मंडी के मंच पर रात्रि लीला का मंचन किया जाएगा। बुधवार 24 सितंबर को पृथ्वी कपन, दसरथ पुरेष्ठयज्ञ, रामजन्म, नामकरण का आयोजन होगा। इन लीलाओं के बाद गुरुवार

की शाय से आकृषण और भव्य ऐतिहासिक प्रभु श्री राम की बरात का आयोजन किया जाएगा। मेला कमेटी अध्यक्ष बताते हैं कि इस बार प्रभु श्री रामबरात का आयोजन पिछली साल की अपेक्षा कुछ अलग ही भव्य तरीके से किया जाएगा।

इस बार प्रभु श्री राम बरात में 200 से अधिक झांकी के भाग लेने की उम्मीद बताई जा रही है। लेकिन कहा नहीं जा सकता बरात में इससे ऊपर भी झांकी के भाग लेने की उम्मीद है।

फिरोजपुर में शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे सपा प्रदेश सचिव

जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष की भाभी की हुई हार्टअटैक से मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। नगर के प्रमुख गल्ला व्यवसाई और कुरावली के प्रमुख समाजसेवी विनोद कुमार शाक्य की पत्नी व जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष रणविजय शाक्य की भाभी के आकस्मिक निधन के बाद उनका शव गांव कुरावली क्षेत्र के गांव फिरोजपुर पहुंचने के बाद गांव में शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचने वालों का तांता लगा रहा, शनिवार की सुबह समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव व मैनपुरी सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी महाराज सिंह शाक्य गांव फिरोजपुर में विनोद कुमार शाक्य के आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव महाराज सिंह शाक्य ने कहा कि आज का समय अत्यंत ही दुख का



समय है। दुख की इस घड़ी में वह दुखी परिवार के साथ खड़े हैं। इसके साथ ही वह भगवान से प्रार्थना करते हैं कि ऐसा दुखी समय भगवान किसी को भी न दिखाएं। शनिवार को सुबह से ही विनोद कुमार शाक्य के आवास पर शोक प्रकट करने वाले लोगों की लाइन लगना शुरू हो

गई थी, अंतिम संस्कार से पहले गांव फिरोजपुर में हजारों की संख्या में लोग शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंच चुके थे। हार्टअटैक से हुआ सुनीतादेवी का निधन- ज्ञात हो कि कुरावली के प्रमुख प्रमुख समाजसेवी व गल्ला व्यापारी विनोद कुमार शाक्य

शाम को गमगीन माहौल हुआ अंतिम संस्कार

शनिवार की शाय करीब पांच बजे मृतका सुनीतादेवी का अंतिम संस्कार गांव के निकट परिवारिक निजी शमशान में कर दिया गया, उनके अंतिम संस्कार में करीब 500 लोगों के भीड़ की उम्मीद थी।

की पत्नी और जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष रणविजय शाक्य की भाभी 38 वर्षीय सुनीता देवी का शुक्रवार की देर शाय मैनपुरी के जिला अस्पताल में हार्टअटैक से निधन हो गया था, उनके निधन के बाद परिजन उनका शव उनके पैतृक गांव फिरोजपुर लेकर पहुंच गए थे।

किसानों का आलू बेचकर गायब हुये कोल्ड स्टोर मालिक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना क्षेत्र के ग्राम भैसरौली के निकट स्थित एक कोल्ड स्टोरेज पर रातोंरात कोल्ड स्वामी द्वारा किसानों का लाखों रुपए का आलू बेचकर भाग जाने की खबर मिलते ही किसानों में हड़कम्प मच गया और किसान भागते हुये कोल्ड स्टोरेज पहुंचे तो हाहा ताला लगा हुआ था। शनिवार को लगभग बारह बजे थाना क्षेत्र के ग्राम भैसरौली के निकट मोटा मार्ग पर स्थित सोनपाल कोल्ड स्टोरेज पर किसानों के लाखों रुपए की कीमत के आलू का भण्डारण को मालिक के आलू एवं कोल्ड स्टोरेज को भी बेचकर भाग जाने की खबर मिले ने फैलते ही सैकड़ों की संख्या में किसान कोल्ड स्टोरेज पहुंचे लेकिन वहां पर बाहर से कोल्ड बन्द था और कमरों में ताला लगा हुआ था समाचार लिखे जाने तक कोल्ड स्टोरेज मालिक का कोई पता नहीं चल सका है किसान आदित्य कुमार, अनुज वर्मा, देवेन्द्र, सुरजीत, अमित कुमार, दीपेन्द्र, शुभम ने बताया कि उन लोगों ने कोल्ड में सैकड़ों कुन्तल आलू जमा किया है। अब दो दिनों से कोल्ड बन्द है और मालिक एवं कर्मचारी सभी गायब है और फोन भी नहीं उठा रहे है।

मैनपुरी के दोहरे हत्याकांड का आरोपी सिपाही सस्पेंड

मोर्निंग सिटी संवाददाता, मैनपुरी। कोताली सदर क्षेत्र के गांव जगरूपपुर में दोहरे हत्याकांड में नामजद आरोपी कासमज में तैनात सिपाही अजीत उर्फ जीतू को सस्पेंड कर दिया गया है। मैनपुरी पुलिस ने सिपाही की रिपोर्ट कासमज एसपी को भेजी थी। आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सका है। टीमें उसकी तलाश में संभावित स्थानों पर दक्षिण दे रही हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव जगरूपपुर में छह सितंबर की सुबह योगेंद्र सिंह और पड़ोसी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी भूदेव सिंह के बीच कुछा डालने को लेकर विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया था। भूदेव ने अपने शिक्षक पुत्र अन्वीश व कासमज के पटियाली थाने में तैनात आरक्षी पुत्र व दो अन्य के साथ मिल कर झगड़ा शुरू कर दिया था। अन्वीश ने रिपीटर से गोली मार कर योगेंद्र की हत्या कर दी थी। वहीं भतीजा किनन गोली लगने से घायल हो गया था। उसकी भी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। दोहरे हत्याकांड में भूदेव उनके दो पुत्र अन्वीश, आरक्षी अजीत उर्फ जीतू गांव के बाँधी और सागर के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। मैनपुरी पुलिस को और से कासमज पुलिस को रिपोर्ट भेजी थी, इसके बाद कासमज एसपी ने पटियाली थाने में तैनात आरोपी सिपाही को सस्पेंड कर दिया है। बता दें कि कोतावली पुलिस भूदेव और शिक्षक पुत्र को जेल भेज चुकी है, मगर आरक्षी अजीत व दो अन्य आरोपी अभी भी गिरफ्त में नहीं आ सके हैं। पुलिस इनकी तलाश में संभावित स्थानों पर दक्षिण दे रही है।

मरदाता पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित बैठक में बीएलओ को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि चुनावी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एसडीएम गोपाल शर्मा ने कहा कि बूथ स्तर पर लॉबिंग पड़े फार्म 6, 7 और 8 का हर हाल में समय से सत्यापन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बीएलओ घर-घर जाकर लॉबिंग फार्म भरवाएं और निर्धारित समयसीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्र का सबसे अहम आधार है और इसमें हिलाई गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। बैठक में मौजूद तहसीलदार घासीराम ने भी बीएलओ को जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों ने कहा कि समय-समय पर की जाने वाली जांच में यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई गई तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपस्थित सुपरवाइजरों को भी उचित निर्देश दिए गए।

चरित्र के अनुसार बनते हैं मित्र, विश्वास का दूसरा नाम है मित्रता

मोर्निंग सिटी संवाददाता, बिछवां/मैनपुरी। विकासखंड सुल्तानगंज के गांव दुधौना में पित्र तर्पण हेतु चल रही श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन पण्डित तिलकेंद्र शेखर त्रिपाठी ने कहा कि हमें धर्म की आवश्यकता अधिक है। धर्म होगा तो संस्कृति जित्त रहेगी। धर्म से बनाया हुआ मित्र सदैव उन्नति और सद् मार्ग पर ले जाने का काम करेगा। पण्डित तिलकेंद्र शेखर त्रिपाठी ने कथा में अंतिम दिन बोलते हुए उन्होंने कहा की जो लोग धर्म के साथ चलते हैं वह जीवन भर पूजे जाते हैं। हमें जीवन में हमें धर्म की जरूरत है धन की नहीं। श्री राम के पास धर्म था और रावण के पास धन था इसीलिए आज राम की पूजा होती है रावण पुतला जलाया जाता है। उन्होंने कहा कि धन के लिए सुदामा को कृष्ण के दरवाजे जाना पड़ा किसने अपना धर्म दिखाकर मित्र की मदद की। इसीलिए कृष्ण और सुदामा की धर्म की मित्रता सदैव याद रखी जाती है। कथा में उन्होंने कहा कि संसार में सदैव सत्य बोलने वाले का सम्मान होता है और धर्म की पता का लहराती है। भागवत कथा में अतुल चौहान आशीष चौहान सीमित्र चौहान सुरेंद्र चौहान पंकज मनोज दिनेश प्रवीण छोटू जितेंद्र अनूप आदि ग्रामीण व क्षेत्रीय भक्तगण मौजूद रहे।

थाने में मिशन शक्ति केन्द्र का शुभारम्भ, छात्राओं को किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना कोतवाली परिसर में मिशन शक्ति केंद्र का शुभारंभ कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वरुंडाल लाइव प्रसारण पुलिस कमिश्नरी शिक्षक शिक्षिकाओं तथा छात्राओं को सुनवाया गया। शनिवार को गुंबारों, फूलों आदि से मिशन शक्ति केंद्र को सजाया सवारा गया। मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण के बाद पुलिस उपाधीक्षक ऋषिकांत शुक्ला ने मिशन शक्ति केन्द्र के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये महिलाओं एवं बच्चों को जानकारीया देते हुये उन्हे आश्चर्य किया कि उनकी सुरक्षा एवं मान सम्मान में पुलिस हमेशा साथ खड़ी है किसी भी समस्या के लिये महिलाये तत्काल पुलिस की सहायता ले। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं थाना कोतवाली प्रभारी प्रदीप कुमार पांडे ने मिशन शक्ति के बारे में जानकारी देकर छात्राओं को पारंपरिक देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर शिक्षिकाओ के अलावा उपनिरीक्षक मोनिका चौधरी, धीरेन्द्र सिंह, रेशमा खान, नीतू, बबली, प्रीती, सोनू सिंह, नरेन्द्र सिंह, अकुरमान, मनीष पाराशर, सत्यकाश, पट्टप सिंह, पंकज कुमार सहित आदि पुलिस कर्मी मौजूद थे।

महिलाओं को किसी भी प्रकार की असहजता नहीं होगी महसूस

नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के तहत थाने में दिखाया गया लाइव प्रसारण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। थाने में महिलाओं को किसी भी प्रकार की असहजिता महसूस ना हो। महिलाओं की समस्या को गंभीरता से देखते हुए प्रदेश सरकार ने प्रत्येक थाने पर महिला शक्ति केंद्र का शुभारंभ किया है।

इसके केन्द्र से महिलाओं को अब वन स्टॉप सेंटर नहीं जाना

पड़ेगा। महिलाओं की सभी प्रकार की समस्याएं इसी केंद्र में सुनी जाएंगी।

शनिवार को इस केंद्र के शुभारंभ से पूर्व थाने में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण टीवी के माध्यम से पुलिस कर्मचारी वी क्षेत्र से प्रमुख समाज सेविका महिलाओं व किशोरियों को कार्यक्रम में आमंत्रण कर बुलाया गया था उन्हें दिखाया गया। कार्यक्रम में सभी आए हुए क्षेत्र के लोगों ने

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन को सुना। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान के साथ क्राइम इंस्पेक्टर शिवकुमार दोहरे, उपनिरीक्षक संजय सिंह, हरेंद्र सिंह, रामेश्वर दशाल, रहीश पाल, महिला कांस्टेबल दीपू सिंह, बहादुर, बिनोत भाटी के साथ क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में महिला कांस्टेबल को उपहार सामान प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए।

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण मिशन शक्ति केंद्र का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर/मैनपुरी। नगर में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल की शुरूआत हुई है। थाना बेवर परिसर में शनिवार को मिशन शक्ति केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने के लिए शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान का हिस्सा है।

प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने केंद्र का उद्घाटन करते हुए बताया कि यह केंद्र महिलाओं के माध्यम और बालिकाओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है यहां महिलाएं बिना किसी डर और शर्ष के अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेगी महिला शक्ति केंद्र पर एक उपनिरीक्षक एवं चार महिला



कांस्टेबल को तैनात किया गया है। मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान करेगा साथ ही जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी भी दी जाएगी। थाना प्रभारी ने सभी पुलिस कमिश्नों को महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही प्रभारी

निरीक्षक द्वारा महिला कांस्टेबल सुनीता, अंजली एवं हेड कांस्टेबल विचित्रा को महिला मिशन सशक्तिकरण को लेकर किए जा रहे सराहनीय कार्य हेतु सम्मानित किया। इस अभियान के तहत 22 सितंबर से 21 अक्टूबर तक गांव गांव जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया जाएगा।

मैनपुरी का डॉ. किरण सौजिया स्कूल आज लिखेगा इतिहास

स्कूल में आज से शुरू होगी अंतर्राष्ट्रीय बॉलीबाल प्रतियोगिता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। लंबे समय से प्रतीक्षित क्षण वास्तविकता में बदल गया जब डॉ0 किरन सौजिया सीनियर सेकेण्ड्रेजी एजुकेशनल एकेडमी ने अंतरराष्ट्रीय बॉलीबाल टूर्नामेंट 2025 भव्य उद्घाटन पर भारत और विदेशों से आए 65 टीमों का स्वागत किया। वातावरण उत्साह एवं उमंग से भरा हुआ था क्योंकि गणमान्य व्यक्ति, छात्र और खेलप्रेमी ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनने के लिए उपस्थित हुए।

शनिवार के मुख्य अतिथि जस्टिस अनिल कुमार इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति, विशिष्ट अतिथि देवराजप्रसाद सिंह जिला जज फैमिली कोर्ट, पर्यवेक्षक एसएन राय सीबीएसईबोर्ड, दिल्लीपपाण्डेय पर्यवेक्षक सीबीएसईबोर्ड, सौरभ सिंह टेक्निकलडेलीगेट, जगदीश शर्मा रीजनल डायरेक्टर सीबीएसई बोर्ड मौजूद रहे। विद्यालय में प्रवेश करते ही मुख्य अतिथि का



फूल और मालाएं पहनाकर सभी अध्यापकों ने स्वागत किया।

खेल प्रांगण में पहुंचने पर मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय झंडारोहन किया, तत्पश्चात राष्ट्रज्घान हुके। तदोपरान्त विद्या की देवी भी सरस्वती को दीप प्रज्वलन और माल्यांण कर पूजा बन्दन किया। इस सारी प्रक्रिया में चेयरमैन के साथ विध्यांशु सौजिया, तेजस्वी

सौजिया भी साथ रहे। सरस्वती बन्दना हुई। इसके बाद विद्यालय के चेयरमैन डॉ0 अशोककुमार ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को माला और पगड़ी पहनाकर सांल उड़ाकर बुके और सरस्वती माता का प्रतीकचिन्ह देकर भव्य स्वागत किया। विद्यालय की बालिकायों ने स्वागत गान भी गाया। आओ रे आओ आज सुमंगल अवसर

व्यक्तियों का मानसिक विकास विद्यालय से होता

इसके बाद विद्यालय के चेयरमैन डॉ0 अशोककुमार ने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए देश के कोने कोने से आए खिलाड़ी एवं उनके कोच मंच पर बैठे हुए और फोरन से आए हुए खिलाड़ी तथा उनके कोचों को सम्बोधित कर उन्होंने कहाकि व्यक्तियों का मानसिक विकास विद्यालय में ही होता है, परन्तु शारीरिक विकास खेलों के द्वारा ही होता है। उन्होंने इलाहाबाद से आए मुख्य अतिथि को कहाकि अत्यन्त कष्ट उठाकर हम सबके सामने उपस्थित हुए हैं, आपने स्कूल में पधारकर जो आपने अभूतपूर्व योगदान दिया उसे ये खिलाड़ी तथा फोरन से आए खिलाड़ी भी भुला नहीं पायेंगे।

आया। तदोपरान्त विद्यालय की बालिकाओं द्वारा बड़े ही हाव-भाव के साथ प्रस्तुत किया। सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

शहर के ड्रेनेज सिस्टम को प्रभावी बनाने के लिए नगर आयुक्त ने कसी कमर

नए साल में प्रभावी ड्रेनेज सिस्टम की मिलेगी शहरवासियों को सौगात

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण,सीएनडीएस जल निगम की निर्माणधीन परियोजनाओं का नगर आयुक्त ने किया भौतिक सत्यापन

दिसंबर 2025 तक छर्छा अड्डा नये पम्पिंग स्टेशन का पूरा होगा काम,नगर आयुक्त ने सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर को दी चेतावनी



अलीगढ़। शहर की बहुप्रतीक्षित ड्रेनेज सिस्टम परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने हेतु नगर आयुक्त,सीईओ अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड प्रेम प्रकाश मीणा ने शनिवार को विभिन्न स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत से संचालित इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत छर्छा अड्डा, आगरा रोड, मैरिस रोड, पला और कालीदह पोखर क्षेत्र में सम्पवेल निर्माण व राइजिंग मेन

डालने का कार्य प्रगति पर है। नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता वी.के. सिंह, अधिशासी अभियंता बिजेन्द्र पाल सिंह तथा सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर गिरीश कुमार, रोहित तोमर के साथ छर्छा अड्डा पुल के नीचे सीएनडीएस द्वारा निर्माणधीन 130 एमएलडी क्षमता के सम्पवेल, पला क्षेत्र में निर्माणधीन 5.76

एमएलडी क्षमता के सम्पवेल और कालीदह पोखर के पास 8.64 एमएलडी क्षमता के सम्पवेल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का भी मौके पर सत्यापन किया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना के सभी कार्य

दिसम्बर 2025 तक हर हाल में पूर्ण किए जाएँ। उन्होंने कहा कि ह्रदिसम्बर 2025 अंतिम डेडलाइन है। शहरवासियों को नए वर्ष की शुरुआत में आधुनिक ड्रेनेज व्यवस्था की सौगात मिलेगी। छर्छा अड्डा, पला और कालीदह में निर्मित होने वाले सम्पवेल क्रियाशील होने के बाद शहर में जलभराव की समस्या में सुधार होगा और नागरिकों को निश्चित रूप से राहत मिलेगी।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट मैनेजर और तकनीकी इंजीनियर नियमित रूप से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करें। उन्होंने कहा कि निर्माण सामग्री का प्रतिदिन भौतिक सत्यापन किया जाए तथा प्रत्येक साइट का सुबह और शाम दो बार निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही संबंधित ठेकेदारों की भी समयसीमा का कड़ाई से पालन करने और मानक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह परियोजना अलीगढ़ के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

इंग्लैंड की धरती लहराया भारत का तिरंगा भारत को मिले 4 पदक,वर्ल्ड चैंपियन वन भारत लौटी बेटियां

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। इंग्लैंड के लिंवरपूल में आयोजित 10 दिवसीय विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तिरंगा लहराया। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने 2 स्वर्ण समेत कुल 4 पदक भारत नाम किए।



भारत की ओर से चैंपियनशिप में आर्मी, अर्धसैनिक बल, रेलवे और इनकम टैक्स विभाग से जुड़े 6 खिलाड़ी शामिल हुए थे। हरियाणा की भारतीय सेना आर्मी से जैस्मिन लैन्बोरिया हरियाणा के भिवानी ने 57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, वहीं रोहतक की मीनाक्षी हुड्डा (आईटीबीपी) ने 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा हरियाणा के भिवानी की पूजा रानी इनकम टैक्स में सेवार्थ ने 80 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक और नूपुर ख्योराण (रेलवे) ने 80. किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला मुक्केबाजों को शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। वहीं जर्नलिस्ट मनोज अलीगढ़ी ने कहा की बॉक्सिंग में पहले भारत 44वें स्थान पर था लेकिन आज तीसरे

स्थान पर पहुंचा है। खिलाड़ी प्रातः बजे इंग्लैंड से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे टर्मिनल-3 पर पहुंचे। यहां आईटीबीपी के जवानों ने बैड बजा बजाकर और खेल प्रेमियों ने ढोल-नगाई के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

स्वतंत्र चर्चित फोटो जर्नलिस्ट मनोज अलीगढ़ी ने विजेता खिलाड़ियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अजय सिंह विभिन्न प्रशंसकों के बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव और अध्यक्षों ने शुभकामनाएं दी हैं।

मिलावटखोरों पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। आगामी नवरात्रि, कन्या पूजन एवं त्योहारी सीजन को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावटी एवं अवमानक खाद्य पदार्थों पर प्रभावी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत जिले में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर दूध, छेना, पनीर, तेल, खीरा, मिठाई एवं आटे के 19 नमूने संग्रहित किए गए।



सहायक आयुक्त (खाद्य) मंडलीय सहायक आयुक्त खाद्य मंडल के निर्देश पर चलाए गए, इस अभियान के दौरान बारहद्वारी, जवां, क्वार्सी, गभाना, अकराबाद, टप्पल, खैर, नौगाबाद क्षेत्रों के प्रतिष्ठानों से सैम्पल लेकर जांच के लिए भेजे

गए। कार्यवाही के दौरान 4400 किलोग्राम छेना व 2,60,000 रुपये मूल्य का संदिग्ध खाद्य पदार्थ सीज किया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई

पुलिस ने अवैध शस्त्र के साथ दो युवक किए गिरफ्तार

कासगंज। पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन में अवैध शस्त्रों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में देर शाम थाना सिकन्दरपुर वैश्य पुलिस द्वारा अभियुक्त अंकित पुत्र साधु सिंह निवासी ग्राम राजा रिजौला थाना सि०पुर वैश्य जनपद कासगंज को ग्राम रनैठी की तरफ जाने वाले रास्ते से एवं थाना पटियाली द्वारा अभियुक्त अंकित कुमार पुत्र अशोक सिंह चौहान निवासी ग्राम हथौडाखेडा (मुडिया) को नरदौली तिराहे से अलीगंज रोड से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभि०गण के कब्जे से 02 अवैध तमचे व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए है।

जांच और रोबोटिक सर्जरी से मिल रहे बेहतर नतीजे- डॉ. राकेश तनेजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। कैसर और पुरुषों के स्वास्थ्य पर बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए दिल्ली के इंदरप्रस्थ अग्रोपोल हॉस्पिटल्स ने अलीगढ़ में एक सम्मेलन का आयोजन किया। यहां ऑन्कोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भाग लिया और स्थानीय डॉक्टरों के अलावा आम जनमानस के साथ संवाद किया।



इंदरप्रस्थ अग्रोपोल हॉस्पिटल्स के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. दीपांजन पांडा और यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश तनेजा ने कैसर की बढ़ती घटनाओं, पुरुषों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों और उन्नत तकनीकों की भूमिका पर अपने विचार रखे। विशेषज्ञों ने बताया कि कैसे रोबोटिक सहायता प्राप्त सर्जरी सटीक, तेजी से ठीक होने और कम जटिलताओं को सुनिश्चित करके परिणामों में सुधार कर रही है। सम्मेलन में पुरुषों और जीवन शैली

से संबंधित बीमारियों के बोझ को कम करने में निवारक स्वास्थ्य, प्रारंभिक परामर्श और जीवन शैली में संशोधन की भूमिका पर भी जोर दिया।

हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक शिवकुमार पट्टाभरमन ने कहा, उनका उद्देश्य उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय के और करीब लाना है। स्थानीय डॉक्टरों के साथ नेटवर्क मजबूत कर जागरूकता बढ़ाने और शीघ्र निदान को बढ़ावा देने के साथ-साथ कैसर और पुरुषों के स्वास्थ्य में बेहतर परिणाम देने

पर जोर दे रहे हैं। सम्मलेन में मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. दीपांजन पांडा ने कहा कि भारत में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, फेफड़े और मुख के कैसर तेजी से बढ़ रहे हैं और दुर्भाग्य यह है कि बड़ी संख्या में ये मरीज अस्पताल देरी से पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने कहा, कैसर चिकित्सा में समय पर निदान बहुत जरूरी है। अगर सही समय पर जांच हो जाए तो कैसर से बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। निवारक स्वास्थ्य कैसर के खिलाफ लड़ाई में

आधारशिला है। उन्होंने विशेष रूप से मृदाशय कैसर पर ध्यान दिलाते हुए कहा कि यह भारत में एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चिंता है। इंदरप्रस्थ अग्रोपोल अस्पतालों में आधुनिक ऑन्कोलॉजी तकनीकों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि जल्द ही जांच और समय पर हस्तक्षेप से रोग का बोझ काफी कम किया जा सकता है।

वहीं सम्मेलन में पुरुषों के स्वास्थ्य पर बोलते हुए यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश तनेजा ने कहा कि पुरुषों में प्रोस्टेट वृद्धि, बांझपन और मृदा मार्ग के कैसर जैसी समस्याएं अक्सर सामाजिक कलंक के कारण नजरअंदाज कर दी जाती हैं। उन्होंने कहा, रोबोटिक सहायता प्राप्त सर्जरी ने इन बीमारियों के इलाज में क्रांति ला दी है। यह सटीक सर्जरी, तेज रिकवरी और कम जटिलताओं की सुविधा देती है। अगर मरीज समय पर परामर्श लें तो परिणाम और जीवन की गुणवत्ता दोनों बेहतर हो सकते हैं।

भारी संख्या में फरुख़ाबाद पहुंचे कार्यकर्ता -शमीम सिद्दीकी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज कन्नौज। भारतीय किसान यूनियन की बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 22 सितंबर 2025 को फरुख़ाबाद में होने वाली महापंचायत में राष्ट्रीय प्रकाश चौधरी राकेश टिकैत पहुंच रहे हैं जनपद कन्नौज से भी उनके स्वागत के लिए भारी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पहुंचेंगे।

शनिवार को जीटी रोड स्थित मो सहराज के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में किसान नेता शमीम सिद्दीकी कार्यकर्ताओं के साथ रणनीति तय करते हुए कहा कि दर्जनों गांवियों पर सेकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी फरुख़ाबाद के लिए 22 सितंबर की सुबह इस्माइलपुर कार्यालय से रवाना होंगे किसान यूनियन के जिला

स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने देखा सजीव प्रसारण

22 सितंबर से 24 दिसंबर तक मिशन शक्ति-5.0 के दौरान पुलिस-अधिकारी महिलाओं से करेंगे सीधा संवाद



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति-5.0 का लोक भवन लखनऊ से शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 1647 थांनों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन करने के साथ ही मिशन शक्ति केंद्र से संबंधित एसओपी की पुस्तकों का भी विमोचन एवं विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। लोक भवन

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का एनआईसी में सजीव प्रसारण किया गया जिसे स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने देखा और सुना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एन भारत के नए उत्तर प्रदेश ने बेटियों के पालन पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, इससे महिलाओं की आशाओं को पंख लगे हैं और बेटियां सपनों की ऊंची उड़ान भर रही हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति अभियान से सशक्त हुई आधी आबादी प्रदेश के विकास में

क्वार्सी कृषि फार्म में दो दिवसीय मानव संसाधन विकास अभिमुखी कार्यक्रम हुआ संपन्न

मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण का संरक्षण के लिए किसानों को आईपीएम तकनीकी अपनाने पर जोर

एनपीएसएस एप कीट की पहचान व निगरानी और उसके प्रबंधन की लें जानकारी

दो दिवसीय कार्यक्रम में किसानों को खेतों में दीमक व चूहा नियंत्रण, कंपोस्ट खाद बनाने की विधि व जैविक नियंत्रण की विधियों की दी जानकारी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अधीन वनस्पति संरक्षण संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, आगरा की ओर से आयोजित दो दिवसीय मानव संसाधन विकास अभिमुखी कार्यक्रम राज्य कृषि विभाग के क्वार्सी फार्म स्थित बहुउद्देशीय किसान कल्याण केंद्र में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त कृषि निदेशक अलीगढ़ मंडल डॉ प्रवीण कुमार ने एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन (आईपीएम) अपनाने की सलाह दी जिससे कि किसान मृदा स्वास्थ्य, अपना स्वास्थ्य एवं पर्यावरण का संरक्षण ठीक तरह कर सके। वनस्पति संरक्षण अधिकारी

प्रभारी केंद्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र आगरा ओमप्रकाश ने कार्यक्रम में पहुंचे किसानों व कृषि अधिकारियों को जागरूक करते हुए राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली एनपीएसएस एप के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाए जा रहे एन.पी.एस.एस. एप

को अपने-अपने फोन में डाउनलोड करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह एप कीट निगरानी की एक राष्ट्रीय प्रणाली है। मौके पर ही कीट की पहचान व निगरानी और उसके प्रबंधन की जानकारी उन सब पहलुओं को ध्यान में रख कर देगी कि हमें कब काल स्थितियों कीटनाशी का इस्तेमाल करना है। यह एप आपकी पहुंच कृषि विशेषज्ञों तक व सरकार तक आपके खेत और क्षेत्र की कीट व बीमारियों की स्थिति की जानकारी पहुंचाने में मदद करेगी। यह एप पूरे देश में कीट और बीमारियों का एक डाटा तैयार करने में मदद करेगी कि इस समय हमारे देश में फसल के कीट व बीमारियों की क्या स्थिति है। उन्होंने कीटनाशियों का छिड़काव करते समय किसान बन्धु क्या-क्या सावधानी रखें इस बात पर प्रकाश डालते हुए रासायनिक दवायों से खेतों में होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया।

उप निदेशक कृषि रक्षा अलीगढ़ मंडल, डॉ सतीश मलिक ने किसानों एवं कृषि अधिकारियों को जागरूक करते हुए जैविक विधियों से कीट नियंत्रण की तकनीकों से अवगत कराया जिससे कि पर्यावरण प्रदूषण न हो और कम से खर्च पर प्रभावित तरीके से कीटों का नियंत्रण किया जा सके।

उन्होंने मित्र कीट व शत्रु कीट के पहचान एवं उसकी उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।

जिला कृषि अधिकारी धीरेंद्र सिंह चैधरी ने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभागों योजनाओं के बारे में अवगत कराया एवं सभी को आईपीएम अपनाने को कहा। सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी कीट विज्ञान दान सिंह ने आईपीएम के अंतर्गत आने वाली व्यावहारिक विधियों व यांत्रिक विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक सहायक कु० सिमरन ने एनपीएसएस एप एवं ट्राइकोडर्मा के प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान की। 19 व 20 सितम्बर को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में किसानों को खेतों में दीमक व चूहा नियंत्रण, कंपोस्ट खाद बनाने की विधि व जैविक नियंत्रण की विधियों पर व्याख्यान दिए गए।

महर्षि वाल्मीकि महोत्सव मेला समिति के तत्वाधान में किया गया स्वागत समिति का गठन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। दिनांक 20 सितंबर 2025 महर्षि वाल्मीकि महोत्सव मेला समिति के तत्वाधान में 2025 के मेले को भव्य बनाने हेतु स्वागत समिति का गठन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से स्वागत समिति के अध्यक्ष के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता व जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष की बागडोर संभाल रहे ठाकुर श्योराज सिंह को मेला स्वागत समिति का अध्यक्ष बनाया गया।



स्वागत समिति के महामंत्री के रूप में सोनू कुमार सरदार, स्वर्ण सिंह, सोनी सिंह, कमल, बंटी, तेजव्रत सिंह, उपाध्यक्ष के रूप में अजुन उपाध्याय, मनोज श्रीति, अश्वनी अग्निहोत्री, भूपेन्द्र लवानियां स्वागत के उपरांत स्वागत समिति के अध्यक्ष ठाकुर स्वराज सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भगवान ने रामायण लिखकर प्रत्येक हिंदू समाज को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दी। हम महर्षि वाल्मीकि का

अनुसरण करके अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं। ठाकुर श्योराज सिंह ने कहा कि मेले का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार में बेसिक शिक्षा विभाग के मंत्री सदीप सिंह संजू भैया दीप प्रचलन एटा पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया, अलीगढ़ हाथरस सांसद सतीश गौतम व अनूप प्रधान संयुक्त रूप से करेंगे। मेला संस्थापक संयोजक संदेश राज ने कहा कि यह 12 वां महोत्सव मेला सामाजिक संरक्षा दिवस के उपलक्ष में आयोजित होता आ रहा है, इसमें समस्त समाज की

प्रतिभा को मंच प्रदान कर उनको सम्मानित करने का कार्य किया जाएगा, जिसमें नृत्य, रूप सजा, पेंटिंग व मोडलिंग प्रतियोगिता भव्य स्तर से होगी। मुख्य आकर्षण का केंद्र रहने वाले भाभी जी घर पर हैं की मुख्य कलाकार सदानंद वर्मा अनोखेलात सक्सेना होंगे। प्रेस वार्ता में सर्वश्री गुरबख्शा सिंह बक्शी, हिमांशु वाल्मीकि, करण वाल्मीकि, धीरज चौहान, अर्जुन महौर, प्रदीप वाल्मीकि, अंकुश वाल्मीकि, विशाल जीवन, बाबी भास्कर आदि लोग शामिल हुए।



मोर्निंग सिटी संवाददाता, हाथरस। आबकारी आयुक्त प्रदेश/जिलाधिकारी हाथरस के आदेश के क्रम में जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3 कुलदीप चौहान मय आबकारी टीम द्वारा जनपद के थाना सिकंदरा राऊ अन्तर्गत सिकंदरा राऊ प्रथम व छवनी पड़ाव, वजीदपुर, अमसीली चौराहा की देशी एवं कम्पोजिट मदिरा दुकानों की चेकिंग की गई। लोगों को अवैध मदिरा से सावधान रहने के प्रति जागरूक किया गया।

मीशो कस्टमर केयर बनकर 71 हजार की टगी, दो गिरफ्तार



मोर्निंग सिटी संवाददाता, हाथरस। ऑनलाइन शॉपिंग कैसिल कराने के नाम पर 71,342 रुपये की साइबर टगी करने वाले दो आरोपियों को साइबर क्राइम पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। बादी रजत निवासी वांदपुर थाना चंदणा ने 15 सितंबर को तहरीर देकर बताया कि मीशो ऐप से शॉपिंग कैसिल कराने के लिए गूगल से कस्टमर केयर नंबर खोजकर कॉल किया। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को मीशो एजेंट बताकर फोन पे/यूपीआई से टगी कर ली 120 सितंबर को तकनीकी जांच और साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने आरोपियों मनीष निवासी गोपालगंज, बिहार हाल निवासी नजफगढ़ दिल्ली और हिमांशु निवासी टैगोर गार्डन दिल्ली को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 49,500 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस ने आरोपियों पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मोहल्ले में महिला पर गंभीर आरोप, पुलिस जांच में जुटी



मोर्निंग सिटी संवाददाता, हाथरस। सदर कोतवाली क्षेत्र के सादाबाद गेट स्थित गड्डा वाले मोहल्ले में एक महिला पर विवाद खड़ा हो गया। मोहल्ले के लोगों ने महिला पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की। जानकारी के अनुसार मोहल्ले में रहने वाले एक युवक ने अफवाह फैलाई कि महिला घर में लड़के बुलाती है। इससे महिला नाराज होकर 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला और मोहल्ले के लोगों से पुछताछ की। मोहल्लेवासियों ने आरोप लगाया कि महिला शराब पीकर आए दिन हंगामा करती है और अशोभनीय हरकतें करती है। इससे स्थानीय लोगों में रोष है। महिला का कहना है कि यदि वह गलत है तो सबूत दिए जाएं, वह सजा भुगतने को तैयार है। पुलिस मामले को जांच कर रही है।

चाकू से हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार



मोर्निंग सिटी संवाददाता, हाथरस। थाना हाथरस गेट क्षेत्र में राजमिस्त्री पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 18 सितंबर को अमित निवासी हापुड़ ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका भाई विछिया जेल निर्माण स्थल पर काम करता है। 17 सितंबर की शाम वह अवैध और ललित के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान गाली-गलौज हुई और दोनों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई की और 20 सितंबर को झगलास रोड के पास से दोनों आरोपियों अवैध निवासी बुलंदशहर (हाल निवासी हापुड़) और ललित निवासी हापुड़ को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिकन्दराराऊ पुलिस ने अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता, हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिकन्दराराऊ पुलिस ने मुख्यबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी राजू पुत्र राजपाल निवासी मोहल्ला गुलाबपुर पोरा थाना सिकन्दराराऊ के कब्जे से 20 वाटर अवैध देशी शराब बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना सिकन्दराराऊ पर सुसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह और उनकी टीम शामिल रही।

नवरात्रि-दशहरा से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय

मोर्निंग सिटी संवाददाता, हाथरस। नवरात्रि और दशहरा को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। सहायक आयुक्त खाद्य रणवीर सिंह और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में तहसील सादाबाद में किराना कारोबारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुकानदारों को पुराने या फंगस लगे कूट आटे की बिक्री न करने और ताजा, प्रमाणित आटे के उपयोग की सलाह दी गई। विभाग ने आटे, किशमिश, मस्टर्ड तेल और दूध के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी करतार सिंह, यदुवीर सिंह और ओमकार कुशवाहा ने निरीक्षण और संपर्क में भाग लिया। विभाग ने कहा कि कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और रिपोर्ट प्राप्ति के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मिशन शक्ति अभियान-5.0 का शुभारंभ



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित 'मिशन शक्ति' अभियान-5.0 का शुभारंभ माधव प्रेक्षा गृह, रिजर्व पुलिस लाइन में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेशव्यापी अभियान का वचुंअल शुभारंभ किया गया। सांसद अनूप प्रधान, विधायक ऋषिपाल सिंह,

अंजुला महौर, प्रदीप कुमार, वीरेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्कूलों के छात्र, महिला पुलिसकर्मी और अन्य मौजूद रहे। अभियान का उद्देश्य महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत जन-जागरूकता, शिकायत निस्तारण, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, साइबर हेल्पलाइन, एंटी रोमियो

स्ववाद, महिला हेल्थ डेस्क और स्वरोजगार/कौशल विकास जैसे कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जनपद के सभी थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां महिला आरक्षी मौजूद रहकर महिलाओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण, मार्गदर्शन और संरक्षण सुनिश्चित करेंगी। प्रत्येक केंद्र में आवश्यक सुविधाएं, फर्नीचर, सीसीटीवी, कंप्यूटर और महिला टॉयलेट की व्यवस्था की गई है।

पोषण जागरूकता रथ को रवाना किया



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भारत सरकार के निर्देशों के तहत मनाए जा रहे आठवें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत पुलिस लाइन से पोषण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सांसद अनूप प्रधान, वाल्मीकि, विधायक अंजुला सिंह माहौर, विधायक वीरेंद्र सिंह राणा,

विधायक प्रदीप चौधरी, विधान परिषद सदस्य ऋषिपाल सिंह, राज्य महिला आयोग सदस्य रेनु गौड़, जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी, जिलाधिकारी राहुल पांडेय और पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा मौजूद रहे। यह रथ दो दिन तक जनपद के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर स्वास्थ्य, पोषण और संतुलित आहार से जुड़ी जानकारी देगा।

रथ राष्ट्रीय पोषण माह की 6 प्रमुख थीम पर आधारित संदेश प्रसारित करेगा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित, श्याम सिंह, रवि सारस्वत, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय, हसायन ब्लॉक प्रमुख और अपर पुलिस अधीक्षक सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

योगेश त्रिवेदी बने बीएनसीएफ के जिला प्रभारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भारतीय न्याय चक्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णुमिश्रा द्वारा योगेश त्रिवेदी को उनके उत्कृष्ट कार्यों से प्रभावित होकर उन्हें हाथरस जनपद का जिला प्रभारी नियुक्त किया है। श्री त्रिवेदी के जिला प्रभारी बनने पर जहां उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है वहीं संस्था के पदाधिकारियों ने श्री त्रिवेदी का पगड़ी पहनाकर तथा अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंटकर जोशीला स्वागत किया।

शनिवार को डा. कासिम अली के प्रतिष्ठान पर हुए स्वागत समारोह के दौरान जिला प्रभारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया और समर्पण की भावना से काम करने की बात कही। संगठन से जुड़े सभी सदस्यों पदाधिकारियों को अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए सामाजिक कार्यों में रुचि लेने के साथ-साथ गरीब असहाय लोगों को समय पर न्याय एवं कानूनी मदद दिलाने में उनका सहयोग करने के लिए प्रेरित भी किया। संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद गोला ने कहा समर्पण की भावना से ही सफलता संभव है। उन्होंने समाजसेवियों को इस संगठन से जुड़ने का आह्वान भी किया। वक्ताओं ने संगठन



के स्थापना दिवस के अवसर पर तेरह अक्टूबर को मथुरा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की भी अपील की। डॉक्टर कासिम अली वीरेंद्र जैन और कवि रामनिवास

उपाध्याय ने काव्यपाठ करकार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस कार्यक्रम में सुनील शर्मा, वीरेंद्र जैन नारद, डॉ. दयाशंकर, रामनिवास उपाध्याय, डॉ. कासिम अली सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

सी.बी. अग्रवाल की स्मृति में गोपाल भोग वितरण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गौशाला मार्ग स्थित हरि सत्संग भवन में स्व. सी.बी. अग्रवाल की स्मृति में श्री सिद्ध गोपाल सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में गोपाल भोग का आयोजन किया गया। सादर

विधायक अंजुला सिंह माहौर, क्षेत्रीय मंत्री डौली माहौर और संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र नाथ चतुर्वेदी ने भोग वितरण किया। इस अवसर पर संजय अग्रवाल, हजारी लाल (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), बासुदेव माहौर, गोलू अग्रवाल, रोहित माहौर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन की संगोष्ठी आज

हाथरस। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन हाथरस द्वारा जैकडोनाल्ड रेस्टोरेंट हाथरस में एक संगोष्ठी का आयोजन शाम छह बजे से से रात्रि आठ बजे तक किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि रेलवे चीफ विजलेंस ऑफिसर केशव लवानिया होंगे।

शनिवार को यह जानकारी देते हुए संस्था के सेक्रेट्री डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि नीमा की हाथरस इकाई द्वारा दशम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर गिराज पेट्रोल पंप के निकट रविवार की शाम छह बजे से रात्रि आठ बजे तक जैक डोनाल्ड रेस्टोरेंट में होने वाले कार्यक्रम में आयुर्वेद पर विशेष चर्चा की जाएगी। साथ ही आयुर्वेद शोधकर्ता अपने विचार रखेंगे। जिसमें विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय यूनानी अधिकारी अलीगढ़ नरेंद्र कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एमआई आलम, संज्ञाहरण विशेषज्ञसीएचसी सासनी प्रवीण भारती, तथा नीमा के कोडिनेटर डा. गोविंदपाल मौजूद रहेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राणचार्य आरोग्यम विजगढ़ वैद्य स्वदेश अग्रवाल करेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम अध्यक्ष डा. वीरेंद्र कुमार, सचिव डा. लोकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष वैद्य पुनीत अग्निहोत्री भी मौजूद रहेंगे।

जन्मदिन पर रक्तदान शिविर, बनी मिसाल



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। निःस्वार्थ सेवा संस्थान के सह सचिव निश्कर्ष गर्ग ने अपने जन्मदिन को समाज सेवा को समर्पित करते हुए बागला जिला अस्पताल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पार्टी और शोर-शराबे से दूर इस पहल ने मानवता की नई मिसाल पेश की। शिविर की शुरुआत राम चंद्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पंजीकरण से हुई। बड़ी संख्या में युवाओं और समाजसेवियों ने हिस्सा लेते हुए करीब 35 यूनिट रक्तदान किया। सुबह से ही ब्लड बैंक का माहौल उत्सव जैसा रहा, जहां रक्तदान को जीवनदान का जश्न माना गया। निष्कर्ष गर्ग ने कहा कि

जन्मदिन मनाने का इससे बेहतर तरीका कोई नहीं हो सकता, क्योंकि रक्त की हर बुंद किसी की जिंदगी बचा सकती है। संस्था अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने बताया कि यह शिविर केवल रक्तदान ही नहीं बल्कि मानवता और सेवा का संदेश भी था। इस अवसर पर संस्था पदाधिकारियों सुनील अग्रवाल, नीरज गोयल, प्रतीक अग्रवाल, साराश टालीवाल, तरुण राघव, ध्रुव कोटीवाल, सतेंद्र मोहन, विशाल सोनी, आलोक अग्रवाल, सुनील कुमार, आशीष अग्रवाल, नरेश दिवाकर और ब्लड बैंक से डॉ. आर.वी. दुबे, अरुण सुर्वा, कमलेश, विशाल, रिचा सेंगर, पवन, अनिल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय पर प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गौशाला रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन हुआ।

मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद चौधरी ऋषिपाल सिंह ने कहा कि विपक्षी दल देश का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। प्रबुद्ध जनों का कर्तव्य है कि वे चर्चाओं के माध्यम से विकास कार्य और सुरक्षा कदमों की जानकारी जनता तक पहुंचाएं। सादर विधायक अंजुला सिंह माहौर ने कहा कि केंद्र व प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद देश और प्रदेश लगातार विकास कर रहे हैं। सिकंदराराव विधायक वीरेंद्र सिंह राणा ने प्रबुद्ध वर्ग से अपील की कि वे लोगों को



विकसित भारत बनाने के लिए जागरूक करें।

जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने कहा कि ऐसे सम्मेलन समाज में सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन,

असमानता, तकनीकी बदलाव और सुरक्षा जैसी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए प्रबुद्ध वर्ग से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में सादाबाद विधायक प्रदीप सिंह गुड्डा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लाड़पुर में रक्तदान शिविर का आयोजन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाड़पुर में रक्तदान शिविर का आयोजन मंडल अध्यक्ष स्मृति पाठक के नेतृत्व में किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्प पर प्रकाश डाला। शिविर में अस्पताल की डॉक्टर रश्मि और उनकी टीम ने पूरा सहयोग दिया।

रक्तदान शिविर को सफल बनाने में भाजपा मंडल महामंत्री अजय नागर, श्याम मिश्रा, उपाध्यक्ष सत्यभान सिंह, देवेंद्र चौहान, सतीश माहौर, शिवम् भारद्वाज, अंकुर अग्निहोत्री, नानक चन्द पंचोरी, रजत चौधरी, अरविंद दिवाकर, कुदीप निबोरिया, लाड़पुर के पूर्व प्रधान श्याम चौधरी सहित कई कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भूमिका रही।

अपहृता मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना मुरसान क्षेत्र की एक महिला के अपहरण और जबरन विवाह करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

16 सितंबर को वादिया ने थाना मुरसान में तहरीर देकर बताया था कि उसकी पुत्री अपने बच्चे के साथ 20 जून 2024 को घर से चली गई थी और काफी तलाश के बाद भी नहीं मिली। कुछ दिन पूर्व उसने फोन कर बताया कि आकाश नामक युवक ने आधार कार्ड में नाम बदलकर उसे बहला-फुसलाकर अपने कब्जे में ले लिया है और जबरन पत्नी बनाकर रख रहा है। इस काम में उसका भाई नौशाद भी साथ दे रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए थाना मुरसान पुलिस ने 20 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर राया कट के पास से



दो आरोपियों नौशाद पुत्र शकूर अहमद निवासी किंदौली थाना हाथरस गेट और शानू पुत्र शमस-ुद्दीन निवासी औरंगाबाद थाना सदर बाजार मथुरा को गिरफ्तार किया।

शेष आरोपी की तलाश जारी है। थाना मुरसान पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आधे टमाटर और मुलतानी मिट्टी से पाए

दमकती त्वचा सिर्फ 15 मिनट में दिखेगा असर !



आजकल चमकदार और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही काम आप घर में पड़ी सिर्फ दो चीजों की मदद से कर सकते हैं। टमाटर और मुलतानी मिट्टी कंटेनर क्रिएटर रिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे आप आधे टमाटर और मुलतानी मिट्टी के आसान घरेलू नुस्खे से अपनी त्वचा को निखार सकते हैं और वो भी सिर्फ 15 मिनट में।

महंगी क्रीम नहीं, काम आएगा किचन

जब भी स्किन केयर की बात आती है तो हमारे दिमाग में लंबे रूटीन और महंगे प्रोडक्ट्स की लिस्ट दौड़ने लगती है। लेकिन हर किसी के पास ना तो इतना समय होता है और ना ही बजट। खासकर मिडिल क्लास लोग सोचते हैं कि स्किन केयर छोड़ फल-सब्जी खा लें, वही अच्छा है। ऐसे में यह घरेलू नुस्खा उनके लिए एकदम परफेक्ट है, सस्ता, असरदार और नेचुरल।

क्या चाहिए? सिर्फ ये दो चीजें

आधा टमाटर, मुलतानी मिट्टी पाउडर इन दोनों को मिलाकर बस 15 मिनट में आप पा सकते हैं चमकती हुई, साफ-सुथरी त्वचा।

कैसे करें इस्तेमाल? आसान तरीका जानिए

फ्रिज से एक पका हुआ टमाटर निकालिए और उसे बीच से काट लीजिए। अब आधे टमाटर के कटे हुए हिस्से पर थोड़ा सा मुलतानी मिट्टी पाउडर डालें। इस टमाटर को अपने साफ चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें। रगड़ते समय टमाटर को हल्का-हल्का दबाते रहें, जिससे उसका रस और मुलतानी मिट्टी मिलकर स्किन के अंदर तक जा सके। 10-15 मिनट बाद चेहरा साधारण पानी से धो लें।

टमाटर के फायदे

टमाटर में होता है लाइकोपीन, विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा की रंगत सुधारता है दाग-धब्बों को हल्का करता है स्किन को बनाता है ग्लोइंग और फ्रेश

मुलतानी मिट्टी के फायदे

स्किन से अधिक तेल को सोखती है। मुंहासों और ब्लैकहेड्स को कम करती है। त्वचा को बनाती है सॉफ्ट और क्लीन। पिगमेंटेशन और टैनिंग में भी फायदेमंद।

क्यों अपनाएं ये नुस्खा?

100 प्रतिशत नेचुरल - कोई केमिकल नहीं। साइड इफेक्ट का खतरा नहीं। सस्ता और घर में ही उपलब्ध। त्वचा को लंबे समय तक चमकदार बनाता है।

यह नुस्खा इंस्टाग्राम कंटेनर क्रिएटर रिया द्वारा साझा किया गया है। हालांकि ये घरेलू उपाय काफी असरदार होते हैं, लेकिन अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है या आपको पहले से कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो इसे इस्तेमाल करने से पहले एक बार एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।



फटी एड़ियों से परेशान? आयुर्वेदिक उपाय से 7 दिन में पाएं मुलायम सुपरसॉफ्ट हील्स !

आजकल के लाइफस्टाइल और मौसम के कारण कई लोग एड़ियों में फटी दरारों से परेशान रहते हैं। खासकर सर्दी और ठंडी हवाओं के चलते एड़ियां रुखी, बेजान और फटी हुई

बनाता है। इस मिश्रण को रोज रात को सोने से पहले एड़ियों पर अच्छे से लगाएं और पैरों को मोजे से ढक लें। इससे आपकी एड़ियां न सिर्फ मुलायम होंगी, बल्कि दरारें भी जल्दी ठीक होंगी।

अपनी एड़ियों पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह उपाय एड़ियों की दरारों को भरने के साथ ही स्किन को रिपेयर भी करता है।

बादाम का तेल और शहद

बादाम का तेल विटामिन थ्र से भरपूर होता है जो त्वचा की सूजन और रुखापन को दूर करता है। शहद का उपयोग एक प्राकृतिक मॉइश्चराइजर के रूप में किया जाता है। दोनों का मिश्रण फटी एड़ियों को ठीक करने में मदद करता है। इस मिश्रण को रात को सोने से पहले एड़ियों पर लगाकर मोजे पहन लें। सुबह उठकर एड़ियां धोने के बाद आपको मुलायम और क्लीयर एड़ियां महसूस होंगी।

तिल का तेल और नमक

तिल का तेल त्वचा को नमी प्रदान करता है और नमक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है जो सूजन और दर्द को कम करता है। तिल के तेल में थोड़ा सा नमक डालकर उसे एड़ियों पर मालिश करें और फिर पैरों को गुनगुने पानी से धो लें। यह न केवल एड़ियों को मुलायम बनाता है, बल्कि रक्त संचार को भी सुधारा है और दर्द को कम करता है।

पानी में बेकिंग सोडा का प्रयोग

फटी एड़ियों के लिए बेकिंग सोडा भी एक प्रभावी उपाय हो सकता है। बेकिंग सोडा की अल्कलाइन?? त्वचा को नर्म करती है और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है। एक बाल्टी पानी में दो चम्मच बेकिंग सोडा डालकर पैरों को 15-20 मिनट तक इसमें भिगोकर रखें। इसके बाद सूती कपड़े से एड़ियों को रगड़ें। यह उपाय फटी एड़ियों के लिए एक शानदार प्राकृतिक स्कrub का काम करता है।

पैरों की सही देखभाल और हाइड्रेशन

आखिरी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण टिप है, अपनी एड़ियों की नियमित देखभाल। दिन में कम से कम दो बार अपनी एड़ियों को अच्छे से धोएं और सूखा लें। फिर एक अच्छा मॉइश्चराइजर या तेल लगाकर पैरों को नमी प्रदान करें। हाइड्रेशन शरीर के हर अंग के लिए जरूरी है, और पैरों को भी सूखा होने से बचाए रखने के लिए पानी की सही मात्रा पिएं।

अगर आपकी एड़ियां फटी हुई हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। इन आयुर्वेदिक उपायों को अपनाकर आप जल्दी ही राहत महसूस करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन उपायों में कोई भी हानिकारक रसायन नहीं होते, इसलिए ये पूरी तरह से सुरक्षित हैं। 7 दिनों के अंदर ही आप देखेंगे कि आपकी एड़ियां न केवल मुलायम और कोमल हो गई हैं, बल्कि फटी हुई दरारें भी भर चुकी हैं। नियमित देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सुंदर और स्वस्थ रख सकते हैं।

दिखने

लगती हैं।

जब ये दरारें गहरी

हो जाती हैं, तो दर्द और संक्रमण

का खतरा भी बढ़ सकता है। अगर

आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं

और इस समस्या का हल तलाश रहे

हैं, तो आयुर्वेदिक उपाय आपके लिए

बहुत मददगार हो सकते हैं। इन

प्राकृतिक नुस्खों से आप महज सात

दिनों में अपनी एड़ियों को मुलायम

और सुंदर बना सकते हैं। आइए,

जानते हैं कुछ आयुर्वेदिक उपायों के

बारे में जो आपकी फटी एड़ियों को

ठीक करने में मदद करेंगे

घी और सरसों के तेल का मिश्रण

फटी एड़ियों को ठीक करने का सबसे पुराना और प्रभावी उपाय है घी और सरसों के तेल का मिश्रण। घी में प्राकृतिक चिकनाई होती है जो एड़ियों की दरारों को भरने और नमी प्रदान करने का काम करता है, वहीं सरसों का तेल रक्त संचार को बेहतर

नीम और हल्दी का पेस्ट

नीम के पत्ते और हल्दी दोनों ही एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होते हैं, जो फटी एड़ियों के संक्रमण और जलन को दूर करने में मदद करते हैं। नीम के पत्तों को पीसकर उसमें थोड़ा हल्दी मिला लें और इस पेस्ट को एड़ियों पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद गुनगुने पानी से पैर धो लें। यह उपाय सप्ताह में तीन से चार बार करें, इससे न केवल फटी एड़ियां ठीक होंगी, बल्कि एड़ियों से जुड़ी अन्य समस्याएं भी दूर होंगी।

एलोवेरा और गुलाब जल

एलोवेरा को प्राकृतिक त्वचा उपचार के रूप में जाना जाता है, और गुलाब जल त्वचा को शांति और नमी प्रदान करता है। दोनों का संयोजन फटी एड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। एक ताजा एलोवेरा पत्ता लें, उसका जेल निकालकर उसमें थोड़ी मात्रा में गुलाब जल मिलाएं और इसे



ग्लॉसी लिपस्टिक को बनाएं मेट - वो भी बिना खर्च किए ! ये आसान स्टेप्स

अगर आपके पास ग्लॉसी लिपस्टिक भरी पड़ी हैं लेकिन आप मेट लुक चाहती हैं, तो अब न तो पैसे खर्च करने की जरूरत है और न ही महंगी मेट लिपस्टिक खरीदने की। आज हम आपको एक सिंपल, स्मार्ट और बजट-फ्रेंडली ब्यूटी हैक बता रहे हैं जिससे आप सिर्फ 3 स्टेप्स में अपनी ग्लॉसी लिपस्टिक को मेट लुक में बदल सकती हैं। यह ट्रिक न सिर्फ आसान है, बल्कि बेहद असरदार भी है और हर मेकअप लवर के लिए परफेक्ट है। तो चलिए जानते हैं पूरा तरीका आसान भाषा में

स्टेप 1 : सबसे पहले लगाएं अपनी फेवरेट ग्लॉसी लिपस्टिक

अपनी पसंदीदा ग्लॉसी लिपस्टिक को हल्के हाथों से होंठों पर लगाएं। चाहें तो पहले लिपलाइनर लगाकर लिप्स को शेप दें, इससे लिपस्टिक ज्यादा देर टिकेगी। इस स्टेप से आपके होंठों पर एक अच्छा बेस बन जाएगा।

स्टेप 2 : टिशू पेपर से एक्सट्रा शाइन हटाएं

अब एक साफ टिशू पेपर लें और लिप्स पर हल्के-हल्के दबाएं। ध्यान रखें, टिशू को रगड़ें नहीं, सिर्फ धीरे-धीरे प्रेस करें। इससे लिपस्टिक का कलर बना रहेगा लेकिन ओवर शाइन हट जाएगी।

स्टेप 3 : हल्का पाउडर लगाकर फिनिशिंग दें

अब लास्ट स्टेप में अपने पास मौजूद ट्रांसलूसेंट पाउडर या कॉम्पैक्ट पाउडर लें। एक छोटा ब्रश या फिंगर से हल्के हाथों से पाउडर को होंठों पर लगाएं। बस, आपकी ग्लॉसी लिपस्टिक अब बन गई है खूबसूरत मेट लुक में।

कुछ खास टिप्स

इस हैक में कोई महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं, बस ग्लॉसी लिपस्टिक, टिशू और पाउडर काफी है। अगर परफेक्ट लुक चाहिए तो हल्का सा लिपलाइनर दोबारा अप्लाई कर सकती हैं। यह ट्रिक ऑफिस, कॉलेज या पार्टी - हर जगह के लिए काम आती है।

सोशल मीडिया पर भी है ट्रेंड में

आजकल कई मेकअप आर्टिस्ट और ब्यूटी ब्लॉगर भी इस ट्रिक को इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर शेयर कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा है - कम बजट में ज्यादा स्टाइल। अब हर बार मेट लिपस्टिक खरीदने की जरूरत नहीं। इस आसान से ब्यूटी हैक से आप अपने पास रखी ग्लॉसी लिपस्टिक को बिना खर्च किए मेट बना सकती हैं - वो भी मिनटों में।



अब अनचाहे तिल नहीं बिगाड़ेंगे खूबसूरती, अपनाएं ये आसान घरेलू नुस्खे

हमारी त्वचा पर अचानक उभरने वाले अनचाहे तिल या मस्से अक्सर हमारी खूबसूरती और आत्मविश्वास पर असर डालते हैं। खासकर अगर ये चेहरे, गर्दन या हाथों जैसे दिखने वाले हिस्सों पर हों, तो कई लोग असहज महसूस करने लगते हैं। आयुर्वेद और ज्योतिष के अनुसार, तिल केवल सौंदर्य का हिस्सा ही नहीं बल्कि हमारे व्यक्तित्व और जीवन की शुभ-अशुभ घटनाओं का संकेत भी माने जाते हैं। लेकिन जब ये अनचाहे और बड़े आकार के हो जाते हैं, तो इन्हें कम करना जरूरी हो जाता है। कुछ साधारण घरेलू नुस्खों की मदद से आप तिल और मस्सों को सुरक्षित तरीके से हल्का या खत्म कर सकते हैं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका तिल और मस्सों को हल्का करने का एक लोकप्रिय घरेलू उपाय माना जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एसिडिक गुण त्वचा की ऊपरी परत पर काम करके तिल को धीरे-धीरे सुखाने और उसके रंग को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके



लिए रुई को सिरके में भिगोकर तिल पर लगभग 15-20 मिनट रखें और फिर धो लें। अगर यह प्रक्रिया रोजाना दोहराई जाए तो समय के साथ तिल का रंग फीका पड़ने लगता है और त्वचा साफ नजर आती है।

नारियल तेल

नारियल तेल को त्वचा का सबसे प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार माना जाता है।

इसमें मौजूद मॉइश्चराइजिंग तत्व त्वचा को मुलायम और पोषित रखते हैं, जबकि इसके एंटीबैक्टीरियल गुण तिल और मस्सों को धीरे-धीरे हल्का करने में मदद करते हैं। अगर रोजाना तिल वाले हिस्से पर हल्के हाथों से नारियल तेल की मालिश की जाए, तो समय के साथ तिल का रंग फीका पड़ने लगता है और त्वचा पहले से अधिक साफ और सुंदर दिखने लगती है।

प्याज और लहसुन

प्याज और लहसुन दोनों में ऐसे प्राकृतिक एंजाइम पाए जाते हैं जो त्वचा की ऊपरी परत को सुखाकर तिल और मस्सों को धीरे-धीरे खत्म करने का काम करते हैं। प्याज का रस तिल पर लगाने से उसका रंग हल्का होने लगता है, वहीं लहसुन की कली का पेस्ट बनाकर रातभर तिल पर लगाने से यह धीरे-धीरे सुखने लगता है। नियमित उपयोग से यह उपाय तिल कम करने में कारगर साबित हो सकता है।

अलसी का तेल

अलसी का तेल त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है और जब इसे शहद के साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है, तो इसका असर और भी बढ़ जाता है। इस मिश्रण को तिल या मस्से पर रोजाना लगाने से कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगता है। अलसी का तेल त्वचा को गहराई तक पोषण देता है और शहद के एंटीबैक्टीरियल गुण मस्सों को हल्का करने में मदद करते हैं। लगातार उपयोग से

तिल और मस्से धीरे-धीरे सूखकर कम होने लगते हैं।

आलू

आलू में प्राकृतिक एसिड और एंजाइम पाए जाते हैं, जो त्वचा पर बने धब्बों और तिलों को सुखाकर हटाने में मदद करते हैं। तिल पर आलू की कटी हुई फांक को हल्के हाथों से रगड़ने से उसका रस त्वचा पर काम करता है और तिल धीरे-धीरे हल्का पड़ने लगता है। दिन में कई बार ऐसा करने से मस्से सूखकर गिर भी सकते हैं। यह उपाय पूरी तरह प्राकृतिक और बिना किसी साइड इफेक्ट के होता है।

शहद और हल्दी

शहद और हल्दी का संयोजन त्वचा को निखारने और तिलों को हल्का करने का एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। शहद में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा को संक्रमण से बचाते हैं, जबकि हल्दी के एंटीसेप्टिक तत्व तिल को हल्का करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दोनों को मिलाकर

पेस्ट तैयार कर तिल पर लगाने से न केवल तिल हल्के होते हैं बल्कि त्वचा मुलायम और चमकदार भी बनती है।

सावधानियां

- इन घरेलू उपायों का असर धीरे-धीरे दिखाई देता है, इसलिए धैर्य रखें।
 - किसी भी उपाय को अपनाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें ताकि एलर्जी न हो।
 - अगर तिल अचानक बढ़ने लगे, रंग बदलने लगे या दर्द और खुन आने लगे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
 - तिल को कभी भी खुद काटने या नोचने की गलती न करें।
- अनचाहे तिल भले ही सौंदर्य पर असर डालते हों, लेकिन प्राकृतिक और घरेलू उपायों से इन्हें बिना किसी केमिकल या महंगे इलाज के हल्का किया जा सकता है। नारियल तेल, लहसुन, आलू, प्याज, शहद और हल्दी जैसे उपाय सुरक्षित और आसान हैं। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा न केवल साफ और सुंदर बनेगी, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।



‘बिग बॉस-19’ से बाहर होने के बाद नगमा मिराजकर ने भावुक पोस्ट

कंटेस्टेंट नगमा मिराजकर ‘बिग बॉस-19’ के घर से बाहर हो गई हैं। इससे बाहर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा है। पोस्ट में नगमा ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी बाहर हो जाएंगी। नगमा मिराजकर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो का वार के एपिसोड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, के दिल अभी भरा नहीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी जल्दी बाहर हो जाऊंगी। अगर मैंने अपने फैंस को निराश किया है तो मैं उनसे माफ़ी चाहती हूँ। बिग बॉस हाउस में मेरा स्वास्थ्य थोड़ा सही नहीं था, लेकिन फिर भी मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा। ये ऐसे सबक हैं जो मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे जीवन के सबसे बड़े अवसरों में से एक था और इसके लिए मैं बेहद आभारी हूँ। कंटेस्टेंट ने कहा कि शो में बनी हर याद उनके दिल के करीब रहेगी। उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर की हर हंसी, हर आँसू, हर खामोशी और अंदर की हर याद हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मुझे उस घर में रहने का एहसास बहुत याद आएगा। हालांकि मेरा सफर जल्दी खत्म हो गया, लेकिन मेरा दिल अभी भी उस घर के अंदर उन लोगों के साथ है जिन्हें मैं प्यार और सम्मान करती हूँ। नगमा ने कहा कि वह अपने लवर आवेज दरबार को बाहर से सपोर्ट करती रहेगी। फिलहाल वे शो में एक अच्छे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ रहे हैं। नगमा ने उनके बारे में लिखा, मैं अपने प्यार, आवेज का समर्थन करूंगी और मैं उसे वहां चमकते हुए देखने के लिए बताव हूँ। घर में मौजूद मेरे कुछ दोस्तों का धन्यवाद जिन्होंने इस सफर को मेरे लिए खास बनाया। इस पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा कि यह अंत नहीं है, यह उनके जीवन का एक और अध्याय है जिसे वे हमेशा सजोकर रखेंगी। बता दें कि बहुत जल्द आवेज और नगमा शादी करने वाले हैं। बिग बॉस के घर से बाहर निकलने के बाद नगमा अपनी शादी की तैयारियों में जुट गई हैं।

ट्रेंड्स नहीं, क्रिएटिविटी के लिए काम करना मेरा मकसद

अभिनेत्री और गायिका सबा आजाद इन दिनों अपनी नई सीरीज **सॉन्व्स ऑफ पैराडाइज** को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में अपने करियर के बारे में बात की। साथ ही बताया कि कैसे उन्होंने खुद को इंडस्ट्री में टाइपकास्ट होने से बचाए रखा।

सबा एक प्रोफेशनल वॉयस ओवर आर्टिस्ट और सिंगर भी हैं। उन्होंने रॉकेट बॉयज, बंदर, मुझसे दोस्ती करोगे जैसी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन काम किया है। सबा से जब पूछा गया कि अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए हैं, यह किसी प्लानिंग का हिस्सा है या फिर अपने आप उन तक ऐसे किरदार पहुंचे। इसका जवाब देते हुए सबा ने आईएनएस से कहा, मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनने की कोशिश करती हूँ, जो मुझे रोमांचित करें। शुक है कि हर प्रोजेक्ट एक-दूसरे से अलग रहा है, जिससे मुझे हर काम में खुद को पूरी तरह डोकने और कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है।

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कलाकारों को एक ही तरह के किरदार ऑफर होते हैं या उन्हें वैसे रोल्स तक सीमित कर दिया जाता है। इससे वो कैसे बचीं? इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं ट्रेंड्स का पीछा नहीं करती, बल्कि सृजन की खुशी ही मेरे काम की सबसे बड़ी वजह है। क्रिएटिविटी के लिए ही मैं काम करना पसंद करती हूँ। सबा आजाद इन दिनों बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। कुछ समय पहले लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया था और कहा था कि ऋतिक की गर्लफ्रेंड हो, तुम्हें काम करने की क्या जरूरत? उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब देकर उनकी बोलती बंद कर दी थी। सबा आजाद ने 2008 में डायरेक्टर अनिल सीनियर की फिल्म ‘दिल कबड्डी’ से बॉलीवुड में कदम रखा था। सबा आजाद बहुत जल्द फिल्म ‘बंदर’ में दिखाई देंगी। इसे टोरंटो अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) के 50वें संस्करण में प्रीमियर किया गया था। इसकी कहानी बलात्कार के आरोपी एक सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कानूनी व्यवस्था में ब्यास अन्याय को उजागर करती है। इसे निखिल द्विवेदी और अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। इसमें बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्ली जैसे सितारे भी हैं।



एआई के प्रयोग पर वरुण-जान्हवी ने जताई चिंता

इन दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जहां लोगों का काम आसान कर रहा है, वहीं कई लोग इसके गलत इस्तेमाल से चिंता में हैं। हाल ही में बॉलीवुड के कलाकार वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने बढ़ते एआई के चलन पर चिंता जताई की है। दोनों ने बताया है कि एआई को लेकर क्या सावधानी बरतने की जरूरत है।

एआई पर वरुण ने रखी राय

वरुण धवन और जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे थे। उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एआई के गलत इस्तेमाल पर अपनी राय रखी। वरुण धवन ने कहा तकनीक का इस्तेमाल बहुत ही जिम्मेदारी का काम है। कलाकारों के हक को सुरक्षित रखने के लिए नियम कानून बनाने की जरूरत है। उन्होंने एआई के इस्तेमाल पर कहा हम ऐसे वक्त में पहुंच जाएंगे, जहां कलाकारों की जरूरत नहीं पड़ेगी हम उन्हें खुद बनाएंगे।

जान्हवी कपूर ने जाहिर की चिंता

इसी तरह से जान्हवी कपूर ने एआई के इस्तेमाल पर अपनी राय रखते हुए कहा यह सिर्फ कलाकारों के लिए खतरे की बात नहीं है, बल्कि टेक्नीशियनों के लिए भी है। मैं पिछले कई महीनों से देख रही हूँ कि कैसे एआई की मदद से चीजों की जा रही हैं। पहले किरदार का लुक तय करने में वक्त लगता था। अब वह तुरंत दिखा देते हैं कि किरदार कैसा होगा और उसकी कहानी कैसी होगी। इससे जरूर पैसों की बचत होगी लेकिन मुझे लगता है कि एक रचनात्मक ड्रैसान के पास जो कुछ है उसे संरक्षित करने की जरूरत है।

रिलीज हुआ फिल्म का ट्रेलर

इस बीच, वरुण धवन और जान्हवी कपूर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। दो मिनट चोवन सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत अभिनेता वरुण धवन द्वारा सान्या मल्होत्रा की प्रपोज करने से होती है, जिसे सान्या ठुकरा देती हैं। इसके बाद वरुण धवन, जान्हवी कपूर के साथ मिलकर उन्हें वापस पाने की योजना बनाते हैं। शांका खेतान द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



हम दोस्त नहीं हैं...

जल्द ही ट्विंकल खन्ना और काजोल एक टैट शो ‘टू मच’ में बतौर होस्ट साथ नजर आएंगी। इस शो के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में दोनों मौजूद थीं। इनके बीच अच्छी बान्दिंग नजर आई, इसके बावजूद ट्विंकल ने काजोल को अपनी दोस्त मनाने से इंकार कर दिया।

एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं

इवेंट में ट्विंकल ने कहा, ‘मैं शो में काजोल को बहन कहती हूँ। हम दोस्त नहीं हैं बल्कि बहनें हैं। हम एक-दूसरे का मजाक उड़ाते हैं, एक-दूसरे को परेशान करते हैं। लेकिन हमको एक-दूसरे पर भरोसा है। हम एक-दूसरे को सपोर्ट करते हैं। यह हमारी बान्दिंग का राज है।’ काजोल भी ट्विंकल की बात पर हामी भरती हैं।

कब से आएगा काजोल और ट्विंकल का शो

काजोल और ट्विंकल खन्ना का यह नया टॉक शो ‘टू मच’ 25 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है। इस शो के हालिया रिलीज ट्रेलर में कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आए, जो मेहमान बनकर आएंगे। शो के ट्रेलर में आमिर, सलमान खान, गोविंदा, रंकी पांडी, वरुण धवन, आलिया भट्ट, विक्की कोशल, कृति सेनन, करण जौहर और जान्हवी कपूर नजर आए।



बिग बॉस के ऑफर को तनुश्री दत्ता ने हर बार ठुकराया

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने हाल ही में बिग बॉस को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया है कि उन्हें पिछले 11 वर्षों से बिग बॉस में भाग लेने की पेशकश की जा रही है। हालांकि उन्होंने इसमें हिस्सा लेने से लगातार इनकार किया है। शो में हिस्सा लेने के लिए उन्हें 1.65 करोड़ रुपये की पेशकश की गई। उन्होंने कहा कि निर्माता साथ ही चांद भी ऑफर करें तो भी वह रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी।

परिवार के साथ नहीं रहती त

बॉलीवुड टिकाना से बातचीत में तनुश्री ने बताया कि उनके लगातार मना करने के बावजूद, मेकर्स हर साल उन्हें शो में हिस्सा लेने के लिए कहते हैं। वह उन्हें समझाती हैं कि वह ऐसी जगह कभी नहीं रह सकती। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने परिवार के साथ भी नहीं रहती, योकि हर किसी को अपनी जगह चाहिए होती है।

ज्यादा पैसों की पेशकश की गई

तनुश्री दा ने कहा उन्होंने मुझे शो में भाग लेने के लिए 1.65 करोड़ रुपये की पेशकश की। उन्होंने एक दूसरी बॉलीवुड अभिनेत्री को भी इतनी ही राशि दी थी, वह भी मेरे स्तर की अभिनेत्री थीं। बिग बॉस से जुड़े एक व्यक्ति ने मुझसे कहा कि वह ज्यादा पैसे की पेशकश कर सकते हैं, लेकिन मैंने इनकार कर दिया। अभिनेत्री ने कहा कि बिग बॉस में पुरुष और महिलाएं एक ही बिस्तर पर सोते हैं और एक ही जगह पर लड़ते हैं। इस तरह की चीजें वह कभी नहीं कर सकती।

खान-पान को लेकर सजग हैं अभिनेत्री

दा ने कहा मैं अपने खान-पान को लेकर भी बहुत सजग हूँ। वह कैसे सोच सकते हैं कि मैं ऐसी लड़की हूँ जो एक रियलिटी शो के लिए एक लड़के के साथ एक ही बिस्तर पर सोएंगी? मैं इतनी सस्ती नहीं हूँ, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे मुझे कितने करोड़ देते हैं।

तनुश्री दत्ता का काम

तनुश्री दत्ता ने 2005 में इमरान हाशमी और सोनू सूद के साथ फिल्म आशिक बनाया आपने से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद, उन्होंने दोल, भागम भाग, 36 चाइना टाउन और गुड बॉय, बैड बॉय जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया।



सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती

बताने में पीछे नहीं हटती। उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी है। कहे ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रही। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे

अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूँ। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूँ कि मैं जैसी हूँ, वैसी ही दिखूँ।

हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टेंट करती हैं और एक मोटा पैसा मांगती हैं। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती हैं। हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टेंट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मागे गए लेकिन हमेशा मैंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए

खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।